उज्जैन
शुक्रवार
18
सितम्बर, 2026
मूल्य- 2 रु.
वर्ष-12
अंक-315
मालवा डिवीजन 402/2024-2026
आर एन आई क्रमांक 2013/57651

दैनिक ब्रह्मास्त्र

3 राहुल गांधी के 'छात्रों की गूंज' पर 31 कड़ी शर्तें लगाईं

7 तीसरे टी-20 में अभिषेक ने 108 रन बनाए

राम जन्मभूमि फैसले से दुखी हुई थी : स्वरा भास्कर

सलमान खान को मैसेज कर मांगी थी माफी

ब्रह्मास्त्र ▸▸ मुंबई

एक्ट्रेस स्वरा भास्कर ने हाल ही में कहा कि साल 2019 के अयोध्या राम जन्मभूमि-बाबरी मस्जिद मामले में सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद वो बहुत दुखी थीं। स्वरा ने बताया कि फैसले के बाद उन्होंने अपने मोबाइल पर मौजूद मुस्लिम कॉन्टेक्ट्स को मैसेज कर माफी मांगी थी। दरअसल, द मिडनाइट आवर को दिए इंटरव्यू में स्वरा भास्कर और फहाद अहमद ने अपनी लव स्टोरी पर बात की। दोनों की लव स्टोरी की शुरूआत एक प्रोटेस्ट से हुई थी, जहां दोनों पहली बार मिले थे। इसके बाद दोनों लगातार सामाजिक और राजनीतिक मुद्दों पर साथ काम करने लगे। स्वरा ने बताया कि फहाद का काम करने का तरीका उन्हें काफी पसंद आया। इंटरव्यू में स्वरा भास्कर ने कहा, और फिर राम जन्मभूमि का मुद्दा आया। जब इस मामले में फैसला आया था। मुझे लगता है कि वह भी एक बहुत बड़ा मुद्दा था। उस फैसले से मैं बहुत दुखी थी। मैं सोच रही थी कि यह कैसा देश है और ऐसा फैसला कैसे आ सकता है? उन्होंने आगे कहा, मैं उस फैसले से बहुत परेशान थी, क्योंकि मुझे लगा कि यह बहुत गलत और अन्यायपूर्ण था। इसलिए मैंने अपने फोनबुक पर मौजूद अपने सभी मुस्लिम लोगों को मैसेज किया। आमिर खान, शाहरुख खान और सलमान सर से लेकर फहाद अहमद तक, मैंने सभी को मैसेज किया।

देश

- सीबीएसई ने छठी कक्षा को तीन भाषा नियम से छूट देने से किया इनकार, सुप्रीम कोर्ट ने जनवरी 2027 से लागू करने का दिया सुझाव
- टीएमसी का चुनाव चिह्न और नाम इस्तेमाल करने पर रोक, चुनाव आयोग बोला- तृणमूल के दोनों गुट नए सिंबल चुनें, बंगाल उपचुनाव से पहले फैसला
- सरकार ने बच्चों के पासपोर्ट से जुड़े नियम बदले, 15 साल से छोटे बच्चों का पासपोर्ट 5 साल या 18 साल की उम्र तक वैध होगा
- कंबल में छिपे सांप ने भाई-बहन को डसा, आगरा में एक ही चारपाई पर सो रहे थे, भाई के बेटे के नामकरण में बहन की मौत
- शिक्षा मंत्रालय ने 'अपार आईडी' की प्राइवेसी पॉलिसी बदली, पढ़ाई के बाद नौकरी में भी काम आएगी आईडी, जॉब देने वाले डिग्री देख सकेंगे
- महाराष्ट्र के ठाणे जिले में गुरुवार को 17 साल के लड़के युग धामने की डेंगू से मौत हो गई

विदेश

- बांग्लादेश में टॉर्च की रोशनी में मरीजों का इलाज, 20 साल का सबसे बड़ा बिजली संकट, भारत पहले ही ज्यादा बिजली दे रहा, मदद मुश्किल
- रिपोर्ट- ट्रम्प सरकार ने हूती विद्रोहियों से सीक्रेट डील की, अमेरिकी जहाजों पर हमला नहीं करेंगे हूती लड़ाके, बदले में सऊदी की मदद नहीं करेगा अमेरिका
- ईरान में अमेरिकी हमला युद्ध अपराध हो सकता है, यूएन रिपोर्ट में गर्ल्स स्कूल पर हमले का जिक्र, पुतिन के बाद अब ट्रम्प की जवाबदेही पर सवाल

व्यापार

- मेटा बना क्लीनस्पार्क के जॉर्जिया एआई डेटा सेंटर का किरायेदार, 2.2 अरब डॉलर से ज्यादा जुटाने की तैयारी
- चंद्रशेखरन 5 साल और टाटा संस के चेयरमैन रहेंगे, बोर्ड ने कार्यकाल बढ़ाया, पिछले महीने नोएल टाटा से मतभेद के चलते इस्तीफा दिया था
- टाटा मोटर्स के कॉमर्शियल व्हीकल्स 1% तक महंगे होंगे, 1 अक्टूबर से बढ़ेंगी कीमतें, स्टील-तांबे की लागत बढ़ने से रेट बढ़ाए

कार्टून..

दीपोत्सव से पहले भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नाव से उदासीन अखाड़े पहुंचे, दत्त अखाड़े के महंत से भी मिले

उज्जैन में नितिन नवीन ने लिया दो संतों से आशीर्वाद

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

उज्जैन में गुरुवार को दीपोत्सव से पहले भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन दो अलग-अलग संतों और अखाड़ों में आशीर्वाद लेने पहुंचे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल के साथ उन्होंने बड़ा उदासीन अखाड़े के महंत सत्यानंद महाराज और दत्त अखाड़े के गादीपति पीर श्रीमहंत सुंदरपुरी महाराज से मुलाकात की। इस दौरान आगामी सिंहस्थ की तैयारियों और अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष पद को लेकर चल रहे मतभेदों पर भी चर्चा हुई।

नितिन नवीन उदासीन अखाड़े के महंत सत्यानंद महाराज से मिलने के लिए नाव में सवार होकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल के साथ उदासीन अखाड़े पहुंचे। करीब 15 मिनट की मुलाकात के दौरान नितिन नवीन ने महंत सत्यानंद और महंत देवीदास से मिलकर आशीर्वाद लिया। महंत सत्यानंद ने उनका स्वागत कर प्रतीक चिह्न भेंट किया। इसके बाद नितिन नवीन ने उदासीन अखाड़े में स्थित श्री चंद्र आचार्य के मंदिर में दर्शन कर आशीर्वाद लिया।

26 लाख का ऑफर ठुकराकर चुनी अध्यात्म की राह

उज्जैन के बड़ा उदासीन अखाड़े के युवा महंत सत्यानंद कम उम्र में ही संत बन गए। उन्हें विदेश की मल्टीनेशनल कंपनी से सालाना 26 लाख रुपए की नौकरी का ऑफर मिला था, लेकिन उन्होंने अध्यात्म और समाज सेवा की राह चुनी। बिहार के सुपौल के 27 वर्षीय महंत सत्यानंद ने पहले काशी, गया और हरिद्वार में महंत पद संभाला। अब वे उज्जैन के बड़ा उदासीन अखाड़े में रहकर लोगों को अध्यात्म का पाठ पढ़ा रहे हैं।

आगामी सिंहस्थ के लिए लिया आशीर्वाद

उदासीन अखाड़े के महंत सत्यानंद ने बताया कि जगद्गुरु श्री चंद्र भगवान का 532वां जन्मोत्सव समारोह 20 सितंबर को मनाया जाएगा। इसे लेकर नितिन नवीन अखाड़े में पहुंचे और उन्होंने आचार्य जगद्गुरु श्री चंद्र भगवान की पूजा-अर्चना की। इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल भी मौजूद रहे। उन्होंने बताया कि सभी 13 अखाड़े एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं और सभी का अपना सम्मानित स्थान है। नितिन नवीन, मुख्यमंत्री और प्रदेश अध्यक्ष ने मिलकर संतों से प्रार्थना की कि आगामी सिंहस्थ दिव्य और भव्य हो और विश्वस्तरीय मेले का आयोजन सकुशल संपन्न हो।

27 साल की उम्र में संभाल चुके काशी, गया और हरिद्वार में महंत पद- महंत सत्यानंद ने 2019 में दीक्षा ली और तब से अपना जीवन साधना व समाज सेवा के लिए समर्पित कर दिया। सबसे पहले वे 2020 में गया में महंत रहे। कुछ समय बाद उन्हें हरिद्वार में कुंभ मेला प्रबंधन के लिए बुलाया गया, जहां उन्होंने महंत पद की जिम्मेदारी संभाली। इसके बाद वाराणसी में महंत बने और अब उज्जैन के बड़ा उदासीन अखाड़े के महंत हैं। वर्तमान में वे उज्जैन में रहकर युवाओं और साधकों को योग, संस्कृत और अध्यात्म की शिक्षा दे रहे हैं।

दत्त अखाड़े के महंत से मिले

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर रामघाट पर आयोजित दीपोत्सव में शामिल होने आए भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कार्यक्रम से पहले श्री पंचदशनाम जूना अखाड़ा, दत्त अखाड़े के गादीपति पीर श्रीमहंत सुंदरपुरी महाराज से मुलाकात कर आशीर्वाद लिया। जनवरी 2018 में परमानंदपुरी जी के ब्रह्मलीन होने के बाद फरवरी 2018 से पीर श्रीमहंत सुंदरपुरी महाराज गादीपति के रूप में अखाड़े का संचालन कर रहे हैं। उन्होंने बाल्यावस्था में ही घर-परिवार और सांसारिक जीवन त्याग दिया था। वे मात्र 3 वर्ष की उम्र में संन्यास परंपरा (नागा दीक्षा) में शामिल हो गए थे।
- दरअसल, आगामी दो वर्षों में हरिद्वार, नासिक और उज्जैन में कुंभ मेले का आयोजन होना है। तीनों जगह इसकी तैयारियां चल रही हैं। वहीं, अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष पद को लेकर चल रहा विवाद अभी खत्म नहीं हुआ है। फिलहाल उदासीन अखाड़ा महानिवार्णी अखाड़े को अध्यक्ष मानने के पक्ष में है, जबकि दत्त अखाड़े के महंत निरंजनी अखाड़े के रविंद्रपुरी महाराज को अध्यक्ष के रूप में देखते हैं। उदासीन और दत्त अखाड़े की कुंभ के दौरान अहम भूमिका रहती है। ऐसे में अध्यक्ष पद को लेकर चल रही खींचतान के बीच नितिन नवीन का दोनों अखाड़ों में पहुंचना इस विवाद को खत्म करने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है।

चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों की पदोन्नति पर फिर लगा विराम, सीपीसीटी के फैसले का इंतजार

दस साल बाद शुरू हुई पदोन्नति प्रक्रिया से उज्जैन सहित प्रदेश के हजारों चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों में जगी थी उम्मीद, मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद भी सामान्य प्रशासन विभाग का अंतिम निर्णय लंबित

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

करीब दस साल के लंबे इंतजार के बाद शुरू हुई शासकीय कर्मचारियों की पदोन्नति प्रक्रिया के बीच चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों की पदोन्नति का मामला एक बार फिर प्रशासनिक निर्णय के इंतजार में अटक गया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा सीपीसीटी को पदोन्नति में बाधक नहीं बनने देने के स्पष्ट निर्देश दिए जाने के बावजूद सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी) की ओर से अभी अंतिम निर्णय नहीं हो सका है। इसका असर उज्जैन सहित प्रदेश के करीब 15 हजार चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों की पदोन्नति पर पड़ रहा है।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए थे कि तृतीय और चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों की पदोन्नति में कम्प्यूटर दक्षता प्रमाणीकरण परीक्षा (सीपीसीटी) की अनिवार्यता पात्र कर्मचारियों के लिए बाधक नहीं बननी चाहिए। इसके बावजूद मामला जीएडी स्तर पर लंबित है। इससे लंबे समय बाद पदोन्नति की उम्मीद लगाए बैठे कर्मचारियों में असमंजस की स्थिति बनी हुई है।

कुछ विभागों ने दी थी सशर्त पदोन्नति- जून-जुलाई में पदोन्नति प्रक्रिया शुरू होने के बाद चतुर्थ श्रेणी से सहायक ग्रेड-3 के पद पर पदोन्नति को लेकर सीपीसीटी की स्थिति स्पष्ट नहीं थी। इस दौरान कुछ विभागों ने निर्धारित अवधि में सीपीसीटी परीक्षा उत्तीर्ण करने की शर्त के साथ कर्मचारियों को सशर्त पदोन्नति के आदेश जारी किए थे। उद्योग संचालनालय, विधि, कृषि, जनसंपर्क और वाणिज्यिक कर सहित कुछ विभागों के इन आदेशों से कर्मचारियों को लगा था कि सीपीसीटी के बावजूद पदोन्नति का रास्ता खुल सकता है।

हालांकि 16 जुलाई को जीएडी ने इन आदेशों पर आपत्ति जताते हुए कहा कि कुछ विभागों ने सीपीसीटी से जुड़े प्रावधानों की सही व्याख्या नहीं की है। इसके बाद संबंधित पदोन्नति आदेश निरस्त किए गए और कुछ कर्मचारियों को वापस उनके पूर्व पदों पर भेज दिया गया। इससे कर्मचारियों में निराशा बढ़ी।

मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद भी निर्णय नहीं

- मामला मुख्यमंत्री तक पहुंचने के बाद कर्मचारी संगठनों ने हस्तक्षेप की मांग की थी। मप्र राज्य कर्मचारी कल्याण समिति के अध्यक्ष रमेशचंद्र शर्मा ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर पदोन्नति प्रक्रिया शुरू कराने का अनुरोध किया। इसके बाद 12 अगस्त को मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि सीपीसीटी परीक्षा के कारण कोई पात्र तृतीय या चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी पदोन्नति से वंचित या रिवर्ट न हो। साथ ही सीपीसीटी की अनिवार्यता को लेकर जल्द सकारात्मक निर्णय लेने के निर्देश दिए गए थे।
- इसके बावजूद अब तक जीएडी की ओर से अंतिम निर्णय सामने नहीं आने से उज्जैन सहित प्रदेशभर के संबंधित कर्मचारियों की निगाहें शासन के अगले आदेश पर टिकी हैं।

दस साल बाद जगी थी उम्मीद

प्रदेश में कर्मचारियों की पदोन्नति प्रक्रिया लंबे समय से रुकी हुई थी। करीब दस साल बाद प्रक्रिया आगे बढ़ने से चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को भी अपने सेवाकाल में पदोन्नति मिलने की उम्मीद जगी थी। लेकिन सीपीसीटी की अनिवार्यता ने इस वर्ग के सामने नई प्रशासनिक अड़चन खड़ी कर दी है। कर्मचारी संगठनों का कहना है कि लंबे समय से पदोन्नति का इंतजार कर रहे कर्मचारियों के हित में शासन को जल्द स्पष्ट निर्णय लेना चाहिए, ताकि पात्र कर्मचारियों को प्रक्रिया का लाभ मिल सके।

स्नेहा नागर को पीएम से मिलने का अवसर

विशेष एआई चिप भेंट करने के लिए चयन, नागर समाज में खुशी का माहौल

ब्रह्मास्त्र ▸▸ इंदौर

नागर समाज के लिए गौरव और खुशी का अवसर सामने आया है। खजराना निवासी होनहार बेटी स्नेहा नागर का चयन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने और उन्हें विशेष एआई चिप भेंट करने के लिए किया गया है। प्रधानमंत्री के जन्मदिन के अवसर पर होने वाली इस मुलाकात को लेकर समाजजनों में उत्साह है।

स्नेहा के पिता मुकेश नागर भी इस उपलब्धि से गौरवान्वित हैं। बताया गया कि छोटे से गांव से निकलकर स्नेहा ने अपनी मेहनत, लगन और तकनीकी क्षेत्र में रुचि के दम पर यह उपलब्धि हासिल की है। प्रधानमंत्री के समक्ष एआई चिप भेंट करने के लिए उनका चयन होना परिवार के साथ-साथ नागर समाज के लिए भी विशेष उपलब्धि माना जा रहा है।

स्नेहा के चयन की जानकारी सामने आने के बाद समाजजनों और परिचितों ने उन्हें तथा उनके पिता मुकेश नागर को बधाई दी। लोगों ने कहा कि स्नेहा की उपलब्धि युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणा है और यह संदेश देती है कि मेहनत और लगन से छोटे गांवों से निकलकर भी बड़े मंच तक पहुंचा जा सकता है।

समाज में खुशी और उत्साह

स्नेहा नागर की इस उपलब्धि पर नागर समाज की ओर से उन्हें और उनके पिता को शुभकामनाएं दी गईं। समाजजनों ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए इसे पूरे समाज के लिए गर्व का क्षण बताया।

ताजमहल के पास रिसॉर्ट को बम से उड़ाने की धमकी

आगरा। आगरा में गुरुवार शाम ताजमहल के पास एक रिसॉर्ट को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। ई-मेल के जरिए भेजी गई धमकी में लिखा है- रिजॉर्ट के अंदर बम रखा गया है। ये आठ दिन के भीतर कभी भी फट सकता है। धमकी मिलते ही रिसॉर्ट संचालक घबरा गए। उन्होंने तुरंत पुलिस को इसकी सूचना दी। सूचना मिलते ही ताजगंज थाना पुलिस टीम के साथ सीओ, इऊ और डॉग स्क्वॉड टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने रिजॉर्ट को खाली कराकर चारों तरफ घेराबंदी कर दी।

आईफोन-18 और प्रो मैक्स पहले पाने की होड़, लगी लंबी कतार

नई दिल्ली। आईफोन 18 प्रो, प्रो मैक्स और डुओ की लॉन्चिंग के बाद से इसे खरीदने को लेकर युवाओं में खासा उत्साह नजर आ रहा था। अब इसे पहले पाने की होड़ में साकेत मॉल के बाहर युवा रात से ही कतारों में बैठे हैं। उनके इंतजार में बेचैनी साफ झलक रही है। यह बेचैनी दिल्ली के साथ ही मुंबई में भी देखी जा रही है। दिल्ली में अजय नाम के एक ग्राहक ने कहा कि मैं 18 प्रो मैक्स 1टीबी लेने आया हूं। मैंने इसे पहले ही बुक कर लिया है। बस यहां इंतजार कर रहा हूं, काफी भीड़ है।

दिशा सालियान के पिता बोले- 7 दिन में माफी मांगें, उनके बयानों से जांच पर सवाल खड़े हुए

आदित्य ठाकरे को 500 करोड़ रु. का मानहानि नोटिस

ब्रह्मास्त्र ▸▸ मुंबई

दिशा सालियान के पिता सतीश सालियान ने शिवसेना नेता आदित्य ठाकरे और महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री एनसीपी (एसपी) नेता अनिल देशमुख को 500 करोड़ रुपए का मानहानि नोटिस भेजा है।

बार एंड बेंच के मुताबिक, नोटिस में दोनों नेताओं से उनके बयानों को वापस लेने, सार्वजनिक रूप से माफी मांगने और 500 करोड़ का हर्जाना देने की मांग की गई है। दोनों को इसके लिए 7 दिन का समय दिया गया है।

आदित्य ठाकरे ने जांच में उनका नाम आने पर कहा था कि ये राजनीति से प्रेरित है। वहीं, अनिल देशमुख ने कहा था कि आदित्य को बदनाम किया जा रहा है। दिशा के पिता ने कहा कि इन बयानों से निष्पक्ष जांच की मांग को गलत तरीके से पेश किया गया।

28 साल की दिशा एक्टर सुशांत सिंह राजपूत की पूर्व मैनेजर थीं। उनकी 8 जून 2020 को मुंबई की एक बिल्डिंग से गिरने के कारण मौत हुई थी। दिशा की मौत के 6 दिन बाद 14 जून एक्टर सुशांत सिंह की भी मौत हो गई थी।

उद्धव ठाकरे बोले- दिशा सालियान केस से हमारा लेना-देना नहीं परिवार को बेवजह बदनाम किया जा रहा, कानूनी कार्रवाई करूंगा

शिवसेना (यूबीटी) के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे ने गुरुवार को कहा कि दिशा सालियान केस को लेकर उनके परिवार को निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा- इस मामले से हमारा दूर-दूर तक संबंध नहीं है।

ठाकरे ने छत्रपति संभाजीनगर में कहा- मेरा भी नाम है। आपका भी नाम आएगा। मोदी और ट्रम्प का भी नाम आ सकता है। आखिर नाम क्यों लिया जा रहा है? यह राजनीतिक उद्देश्य से प्रेरित है। कब तक सहन करते रहेंगे?

उन्होंने कहा- बेवजह चरित्रहनन बहुत हो गया और अगर ये जारी रहा तो मैं बिना किसी से सलाह लिए कानूनी कार्रवाई पर मजबूर हो जाऊंगा।

उद्धव ने कहा कि इस मामले में लगातार नाम घसीटे जा रहे हैं। हम इतने समय तक चुप रहे, क्योंकि सरकार ने खुद इसकी जांच के लिए एसआईटी बनाई थी। हमने उन्हें अपनी जरूरत के हिसाब से जांच करने देने के लिए चुप्पी साधे रखी। उन्होंने कहा- हमने तय किया था कि जांच पूरी होने तक कुछ नहीं बोलेंगे। ठाकरे ने गुस्से में चेतावनी दी कि हमारा इस मामले से कोई लेना-देना नहीं है। उस युवा महिला की जान चली गई। ठाकरे ने कहा- मैं उन्हें नहीं जानता था। मैं उनसे कभी नहीं मिला। मेरा उनसे या जो कुछ हुआ, उससे कोई संबंध नहीं है। फिर भी मेरा नाम इसमें घसीटा जा रहा है।

दिशा के पिता का आरोप- केस को दबाने की कोशिश की गई- बॉम्बे हाईकोर्ट के निर्देश के बाद दिशा के पिता सतीश सालियान ने कहा था कि दिशा का गैंगरेप और हत्या हुई। मामले को दबाने की कोशिश की गई। उन्होंने आदित्य ठाकरे समेत अन्य लोगों के खिलाफ एफआईआर की मांग की थी। उन्होंने यह भी कहा था- मैं 6 साल से इसका इंतजार कर रहा था। खुश होने की कोई वजह नहीं है। मैंने अपनी बेटी को खोया है।

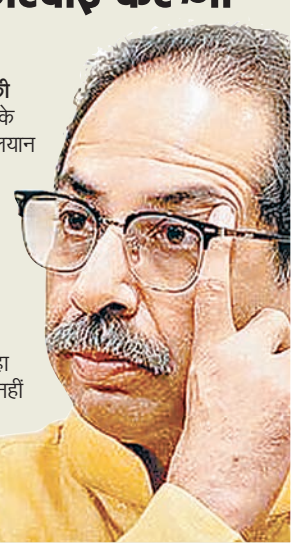

गणेश गैलरी

नृसिंह घाट के समीप नरसिंह युवा मण्डल द्वारा स्थापित गणेश प्रतिमा

अपनेतक

तेल बचाने की नसीहत, दीयों में तेल की बौछार!

एक तरफ रसोई में बचत का संदेश, दूसरी तरफ लाखों दीपों में तेल और राजनीति का खेल एक तरफ आम आदमी को खाने के तेल में बचत करने की नसीहत दी जाती है। महंगाई के दौर में हर बूंद की कीमत समझाई जाती है। दूसरी तरफ धार्मिक आयोजन के नाम पर लाखों दीपक जलाकर उनमें बड़ी मात्रा में तेल खपाया जाता है। सवाल यह नहीं कि दीपक क्यों जलाए गए, सवाल यह है कि संदेश क्या दिया जा रहा है? आस्था के दीप जलें, इस पर किसी को आपत्ति नहीं हो सकती, लेकिन जब दीपों की संख्या लाखों में पहुंच जाए और आयोजन के साथ राजनीतिक प्रदर्शन का रंग भी दिखाई देने लगे, तब सवाल उठना स्वाभाविक है। एक ओर तेल की बचत की अपील और दूसरी ओर हजारों-लाखों दीपों में तेल की खपत– यह विरोधाभास आम आदमी को जरूर चुभता है।

आस्था अपनी जगह है और राजनीति अपनी जगह, लेकिन दोनों के बीच जब संसाधनों का ऐसा प्रदर्शन दिखाई देता है तो आम आदमी सोचने को मजबूर होता है कि बचत की सीख सिर्फ रसोई के लिए है या व्यवस्था और आयोजनों पर भी लागू होती है? दीपक रोशनी का प्रतीक है। जरूरत इस बात की है कि उसकी लौ केवल घाटों को ही नहीं, बल्कि सोच को भी रोशन करे। वरना एक तरफ बचत का संदेश और दूसरी तरफ तेल से जगमगाते लाखों दीप–यह कैसा संदेश और किसके लिए?

सिंहस्थ में सेवा संकल्प के साथ मनाया विश्वकर्मा पूजन दिवस

उज्जैन। विश्वकर्मा पूजन दिवस पर पांचाल समाज और पांचाल युवा मंच के तत्वावधान में गुरुवार सुबह 10 बजे गणगौर दरवाजा स्थित समाज की धर्मशाला में भगवान विश्वकर्मा की महाआरती की गई। इसके पश्चात समाजजनों ने शहर के प्रमुख मार्गों से वाहन रैली निकाली। रैली का समापन गायत्री शक्ति पीठ पर हुआ। पांचाल युवा मंच अध्यक्ष विशाल पांचाल ने बताया कि मुख्य कार्यक्रम में अतिथि के रूप में राज्यसभा सांसद उमेश नाथ महाराज, समाजसेवी नारायण यादव, महापौर मुकेश टटवाल और आचार्य जगदीश गुरु उपस्थित थे। अतिथियों ने समाज को शुभकामना संदेश दिए और सभी ने आगामी सिंहस्थ में सेवा कार्य करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में समाज अध्यक्ष नंदकिशोर, संरक्षक रमेश, महिला मंडल अध्यक्ष विद्या पांचाल, पांचाल युवा मंच अध्यक्ष विशाल पांचाल, युवा मंच संरक्षक भगवान, रमेश, बाबूलाल, राम, राजेश, अरविंद, सुनील, राजेश, अनिल, सोहन, मुकेश, कमलेश, जितेंद्र, दुगार्शंकर, कैलाश सहित समाज के पदाधिकारी विष्णु पांचाल, मदन लाल पांचाल, विष्णुकांत पांचाल, मुरली पांचाल एवं युवा मंच कार्यकर्ता उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन अरुण पांचाल ने किया।
शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर में मुनि प्रणीत सागर ने समझाया तत्त्वार्थ सूत्र का मर्म

दशलक्षण पर्व के दूसरे दिन उत्तम मार्दव धर्म पर हुई चर्चा, दिनभर चले विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान

उज्जैन। लक्ष्मी नगर सेठी नगर स्थित शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर में चल रहे मुनि प्रणीत सागर महाराज के चातुर्मास एवं दशलक्षण पर्व के अंतर्गत गुरुवार को तत्त्वार्थ सूत्र के द्वितीय अध्याय का वाचन और प्रवचन हुआ। इसमें मुनि ने जीव के पांच भावों और मोक्ष मार्ग का महत्व विस्तार से समझाया। ट्रस्ट सचिव सुशील लुहाडिया और समाज सचिव सचिन कासलीवाल ने बताया कि गुरुवार सुबह मुनि प्रणीत सागर ने विद्यार्थियों से द्वितीय अध्याय का प्रथम सूत्र सुना और उसका अर्थ समझाया। मुनि ने बताया कि जीव के पांच भाव होते हैं, जिनमें औपशमिक अर्थात कर्मों के उपशम से, क्षायिक अर्थात कर्मों के क्षय से, मिश्र अर्थात उपशम और क्षय दोनों से, औदयिक अर्थात कर्मों के उदय से और पारिणामिक अर्थात स्वाभाविक भाव शामिल हैं। उन्होंने संसारी और मुक्त जीवों के भेद बताते हुए कहा कि संसारी जीव एकेन्द्रिय से लेकर पंचेन्द्रिय तक होते हैं। अपने आत्मा के भावों को पहचान कर औदयिक भावों को छोड़कर क्षायिक भाव की ओर बढ़ना ही मोक्ष मार्ग है। द्वितीय अध्याय में जीव तत्व का विस्तार से वर्णन है, जिसमें कुल 53 सूत्र हैं।
भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन जी और मुख्यमंत्री पहुंचे उज्जैन

कुश्ती संघ के अध्यक्ष यादव के नेतृत्व में सदावल हेलीपैड पर भव्य स्वागत

उज्जैन। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन जी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव गुरुवार को उज्जैन पहुंचे। वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में शिप्रा तट रामघाट पर आयोजित 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम में शामिल होने के लिए हेलीकॉप्टर से सदावल स्थित नवनिर्मित हेलीपैड पर उतरे। हेलीपैड पर समाजसेवी एवं मध्य प्रदेश कुश्ती संघ के अध्यक्ष नारायण यादव के नेतृत्व में राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन जी का भव्य और अद्भुत स्वागत किया गया। इस आत्मीय स्वागत के दौरान जमना यादव, अभय यादव, नमित यादव, आर.आर. यादव, दीपक जायसवाल, शेखर यादव, बाबूजी, श्याम यादव, शैलेंद्र यादव और विजय यादव सहित बड़ी संख्या में नारायण यादव मित्र मंडली एवं अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कार्तिक मेला ग्राउंड पर पुलिस और लोगों में जबरदस्त बहस

वीआईपी आवाजाही में फंसी आम जनता, घंटों जाम में फंसे रहे वाहन

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

वीआईपी लोगों की आवाजाही के दौरान आम जनता को रोकने की व्यवस्था गुरुवार रात लोगों के लिए परेशानी का सबब बन गई। कार्तिक मेला ग्राउंड क्षेत्र में वीआईपी मूवमेंट के चलते पुलिस ने यातायात को रोक दिया, जिसके कारण देखते ही देखते सड़क पर वाहनों की लंबी कतार लग गई। काफी देर तक जाम में फंसे लोगों का सब्र जवाब दे गया और पुलिसकर्मियों से उनकी जबरदस्त बहस होने लगी।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार वीआईपी वाहनों के आने-जाने के दौरान आम लोगों को रास्ते पर रोक दिया गया। काफी समय तक रास्ता नहीं खुलने से दोपहिया और चारपहिया वाहनों की कतार लगती चली गई। लोग अपने गंतव्य तक पहुंचने के लिए परेशान होते रहे। जाम में फंसे लोगों का कहना था कि वीआईपी आवाजाही के लिए आम जनता को घंटों परेशान करना उचित नहीं है। स्थिति यह रही कि कुछ लोग पुलिसकर्मियों से यह कहते नजर आए कि यदि वीआईपी के लिए रास्ता रोकना जरूरी है तो यातायात को व्यवस्थित तरीके से डायवर्ट किया जाए, ताकि आम लोगों को घंटों जाम में न फंसना पड़े। बहस के चलते मौके पर काफी देर तक तनावपूर्ण स्थिति बनी रही।

वीआईपी के लिए रास्ता साफ, आम जनता के हिस्से में जाम

शहर में लगातार बढ़ रहे आयोजनों और वीआईपी आवाजाही के बीच यातायात व्यवस्था को लेकर सवाल उठ रहे हैं। वीआईपी मूवमेंट के दौरान कुछ समय के लिए यातायात रोकना सुरक्षा व्यवस्था का हिस्सा हो सकता है, लेकिन आम जनता को लंबे समय तक जाम में फंसे रहने से बचाने के लिए वैकल्पिक मार्ग और बेहतर ट्रैफिक प्रबंधन की जरूरत साफ नजर आई।

पुणे की तृप्ति शाह ने मौनतीर्थ पीठ में ग्रहण की दीक्षा

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

महाराष्ट्र के पुणे निवासी तृप्ति शाह ने मौनतीर्थ पीठ में महामंडलेश्वर स्वामी डॉ. सुमनानंद गिरि से विधिवत दीक्षा ग्रहण की। दीक्षा संस्कार के दौरान पीठ परिसर आध्यात्मिक भाव से सराबोर रहा। शास्त्रोक्त प्रक्रिया के अंतर्गत सर्वप्रथम आचार्य अनीश द्विवेदी ने प्रायश्चित कर्म एवं संकल्प की विधि पूर्ण कराई। इसके माध्यम से साधक ने पूर्व त्रुटियों से निवृत्ति और साधना के पथ पर आगे बढ़ने का प्रण लिया। इसके पश्चात महामंडलेश्वर स्वामी डॉ. सुमनानंद गिरि ने तृप्ति शाह को गुरु मंत्र देकर विधिवत दीक्षा प्रदान की। इस अवसर पर स्वामी डॉ. सुमनानंद गिरि ने कहा कि गुरु से जुड़ना केवल परंपरा से जुड़ना नहीं, बल्कि अपने भीतर के अंधकार से प्रकाश की ओर यात्रा प्रारंभ करना है। उन्होंने साधक के जीवन में श्रद्धा, संयम, सेवा, सदाचार और गुरु-वचन के प्रति निष्ठा को अत्यंत महत्वपूर्ण बताया।

वृंदावन धाम में शिकायतों के बाद भी नहीं सुधरी व्यवस्था

कीचड़-गंदगी से रहवासी परेशान, नालियों से होकर शिप्रा में पहुंच रहा गंदा पानी

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

वृंदावन धाम कॉलोनी में व्याप्त गंदगी और जल निकासी की समस्या को लेकर रहवासी लंबे समय से परेशान हैं। रहवासियों का कहना है कि समस्या को लेकर सीएम हेल्पलाइन से लेकर महापौर, कलेक्टर और वार्ड क्रमांक 48 के पार्षद तक कई बार शिकायत की जा चुकी है, लेकिन अब तक समस्या का स्थायी समाधान नहीं हुआ।

रहवासी ललित खत्री ने बताया कि कॉलोनी में खाली प्लॉटों और आसपास जमा गंदे पानी के कारण जगह-जगह कीचड़ और गंदगी फैल रही है। बारिश के बाद स्थिति और खराब हो जाती है। जल निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं होने से गंदा पानी नालियों के माध्यम से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने बताया कि कॉलोनी के समीप ही शिप्रा नदी होने के कारण नालियों से बहकर निकलने वाला गंदा पानी नदी तक पहुंचने की आशंका बनी हुई है। ऐसे में एक ओर शहर में शिप्रा को स्वच्छ रखने के दावे किए जा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर रहवासी क्षेत्र का गंदा पानी नदी में पहुंचने की स्थिति चिंता का विषय है।

रहवासियों का कहना है कि बार-बार शिकायत करने के बावजूद जिम्मेदार विभागों की ओर से समस्या का स्थायी निराकरण नहीं किया गया। उनका सवाल है कि जब शिकायतें सीएम हेल्पलाइन से लेकर स्थानीय जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों तक पहुंच चुकी हैं, तो आखिर कार्रवाई कब होगी?

वृंदावन धाम कॉलोनी के रहवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि मौके का निरीक्षण कर जल निकासी की स्थायी व्यवस्था की जाए, खाली प्लॉटों में जमा गंदगी और पानी की समस्या दूर कराई जाए तथा नालियों के गंदे पानी को शिप्रा नदी में जाने से रोका जाए।

निगम के फंड से सीमेंट-कंक्रीट सड़क बनेगी

आयकर कॉलोनी से एबीवीपी कार्यालय तक करीब 25 लाख रुपए की लागत से नगर निगम के फंड से सीमेंट-कंक्रीट सड़क बनेगी। इस सड़क के बनने से इलाके में आना-जाना बेहतर होने की उम्मीद है। इसके अलावा, ऋषि नगर एक्सटेंशन में करीब 8.50 लाख रुपए की लागत से नई पाइपलाइन डालने का काम किया जाएगा। इससे इलाके में पानी की व्यवस्था बेहतर होगी। भूमि पूजन के साथ ही इन विकास कामों की शुरूआत हो गई है। निगम अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने कहा कि निर्माण काम अच्छी क्वालिटी का हो और समय पर पूरा हो।

वार्ड 49 में 52 लाख के कार्यों का भूमिपूजन

उज्जैन नगर निगम के वार्ड क्रमांक 49 में करीब 52 लाख रुपए के विकास कार्यों का बुधवार को भूमि पूजन किया गया। ये काम कई तरह के निर्माण और विकास से जुड़े हैं। कार्यक्रम में निगम अध्यक्ष कलावती यादव मुख्य अतिथि थीं। इस दौरान बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता और अधिकारी मौजूद रहे। नगर निगम के मुताबिक, वार्ड के अलग-अलग इलाकों में सड़क और पाइपलाइन से जुड़े काम होंगे। वेद नगर में पार्षद की गली और व्यास नगर उद्यान के पास करीब 18.50 लाख रुपए की लागत से सीमेंट-कंक्रीट सड़क बनाई जाएगी। इससे इलाके के लोगों को आने-जाने में आसानी होगी।

हादसे में ड्रायवर घायल

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

काजीपुरा चौराहे मीणा समाज धर्मशाला के सामने उज्जैन नगर पालिक निगम उज्जैन की टाटा वाहन का सुबह 5 बजे एक्सीडेंट हो गया। जिसमें ड्रायवर घायल हो गया उक्त वाहन से एक स्कूटर,ठेलागाड़ी, रेडीमेंट कपडा की दुकान में जा औघुसी जिससे दूकान का शटर और स्कूटर छती ग्रहस्त हो गया है । प्रत्यक्ष दर्शियों ने बताया कि वाहन काफी स्प्रीट ने होने की वजह से चेम्बर्स में चढ़ते हुए अन बैलेंस होकर दुकान में जा घुसा उक्त दूकान कमल पोरवाल की है।

अंतर्राष्ट्रीय कबीर पंथ महासंघ की राष्ट्रीय बैठक में संगठन विस्तार पर मंथन

उज्जैन। अंतर्राष्ट्रीय कबीर पंथ महासंघ की राष्ट्रीय टीम की महत्वपूर्ण बैठक केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ में पूर्व आईईएस अधिकारी यशपाल भगत के निवास पर आयोजित की गई। इसमें महासंघ के संगठन विस्तार और चंडीगढ़ प्रदेश इकाई के गठन को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। महासंघ के राष्ट्रीय महासचिव और पूर्व डिप्टी कमिश्नर एफसी भगत ने बताया कि बैठक का मुख्य उद्देश्य संगठन को नई दिशा देना है।

मध्यस्थता से विवादों का त्वरित निराकरण

एडीआर सेंटर में मध्यस्थता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निदेर्शानुसार तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष पी.सी. गुप्ता के मार्गदर्शन में गुरुवार को एडीआर सेंटर में मध्यस्थता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पक्षकारों, पैरालीगल वालंटियर्स एवं सामुदायिक मध्यस्थ वालंटियर्स को मध्यस्थता के महत्व और उपयोगिता की जानकारी दी गई।

कार्यक्रम में मनोज कुमार भाटी ने कहा कि न्यायालयों में लंबे समय से चल रहे विवादों का मध्यस्थता के माध्यम से त्वरित निराकरण संभव है। इससे पक्षकारों के समय और धन दोनों की बचत होती है तथा आपसी सहमति से विवाद का समाधान निकलता है।

श्रीमती सारिका भाटी ने कहा कि मध्यस्थता का सामाजिक स्तर पर भी व्यापक महत्व है। कई विवाद ऐसे होते हैं, जिन्हें न्यायालय तक पहुंचने से पहले ही दोनों पक्षों की सहमति से सामाजिक स्तर पर सुलझाया जा सकता है। इससे जहां पक्षकारों को राहत मिलती है, वहीं न्यायालयों पर लंबित प्रकरणों का बोझ भी कम होता है। जिला विधिक सहायता अधिकारी अमित शर्मा ने कहा कि छोटी-छोटी बातों को लेकर उत्पन्न विवादों का समाधान सामाजिक स्तर पर मध्यस्थता के माध्यम से किया जा सकता है। उन्होंने पैरालीगल वालंटियर्स एवं सामुदायिक मध्यस्थ वालंटियर्स से ऐसे प्रकरणों की पहचान कर लोगों को मध्यस्थता के प्रति जागरूक करने का आह्वान किया।

बिना रैलिंग के पाले पर चल रहे लोग

उज्जैन । शिप्रा नदी मे बाढ की आशंका को देखते हुए वषार्काल मे पुल व पाले की सुरक्षा के मददेनजर रैलिंग हटा दी जाती है किन्तु बाढ तो बहुत दूर की बात है अभी तो औसत बारिश भी नहीं हो पाई है और तेज धूप के दर्शन प्रतिदिन हो रहे हैं। शिप्रानदी के बडे पुल के समीप बने पाले की रैलिंग न होने पर भी प्रतिदिन लोगों का आवागमन बदस्तूर जारी है। ये खतरे के खिलाडी जान की परवाह किए बिना इस संकरे पाले पर आते जाते नजर आ रहे हैं जिससे दुर्घटना की संभावना बनी हुई है। प्रशासन को पाले पर आवाजाही रोकना चाहिए या शीघ्र रैलिंग लगवा देना चाहिए।

महाकाल सांस्कृतिक प्रस्तुति और कथावाचन ने मोहा मन

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत रामघाट पर आयोजित कार्यक्रम में उज्जैन की सांस्कृतिक पहचान एवं धार्मिक परंपराओं पर आधारित मनमोहक महाकाल सांस्कृतिक प्रस्तुति दी गई। सांस्कृतिक कार्यक्रम ने श्रद्धालुओं एवं उपस्थित जनसमुदाय को भावविभोर कर दिया। कार्यक्रम के क्रम में श्री शैलेश लोढ़ा द्वारा कथावाचन के माध्यम से उज्जैन की सांस्कृतिक गाथा, धार्मिक विरासत एवं गौरवशाली परंपराओं का परिचय प्रस्तुत किया गया। कथावाचन के माध्यम से उज्जैन की आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक महत्ता को प्रभावी ढंग से सामने रखा गया।

इसके पश्चात श्री भवानी शास्त्री के नेतृत्व में भक्तिमय भजन प्रस्तुति का आयोजन हुआ। भजनों की मधुर स्वर लहरियों से रामघाट का वातावरण भक्तिमय हो गया। उपस्थित श्रद्धालुओं ने भक्तिभाव के साथ भजन प्रस्तुति का आनंद लिया। श्री महाकालेश्वर मंदिर पर आधारित पुस्तक इतिहास के पृष्ठों से का विमोचन

कार्यक्रम के दौरान श्री महाकालेश्वर मंदिर पर आधारित पुस्तक इतिहास के पृष्ठों से का विमोचन भी किया गया। पुस्तक के माध्यम से श्री महाकालेश्वर मंदिर के ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक महत्व से संबंधित जानकारी प्रस्तुत की गई।

आतिशबाजी, लाइट शो एवं फायर शो ने बढ़ाई कार्यक्रम की भव्यता

आशीर्वाद का दीया कार्यक्रम में भव्य आतिशबाजी, लाइट शो एवं फायर शो का आयोजन किया गया। इसके साथ ही मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने उपस्थित जनसमुदाय का मन मोह लिया। रंग-बिरंगी रोशनी, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और दीपों की जगमगाहट से उज्जैन में उत्सव, उल्लास एवं भक्ति का वातावरण बना रहा। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित आशीर्वाद का दीया कार्यक्रम ने उज्जैन की सांस्कृतिक विरासत, आध्यात्मिक परंपराओं एवं जनभागीदारी को एक मंच पर प्रस्तुत किया। हजारों वॉलिंटियर्स की सामूहिक सहभागिता, सेवा भावना और लाखों दीपों की रोशनी से प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस का उत्सव मनाया गया। शिप्रा तट एवं महाकाल लोक में एक साथ प्रज्ज्वलित हुए दीपों ने उज्जैन की आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक पहचान को और अधिक भव्यता प्रदानकी।

भाद्रपद मास की षष्ठी- महाराष्ट्रियन परिवारों मे महालक्ष्मी पूजा शुरू

उज्जैन। शहर मे निवासरत हजारों महाराष्ट्रियन परिवारों मे भाद्रपद मास की षष्ठी से तीन दिवसीय महालक्ष्मी पूजा प्रारंभ हो गई। षष्ठी के दिन संपन्नता व समृद्धि की देवी महालक्ष्मी को उनकी छोटी बहन के साथ आह्वान करके धूमधाम से प्रतिष्ठापित किया जाता है और तीसरे दिन यानी अष्टमी पर देवी को धूमधाम से विदा किया जाता है। प्रथम दिवस लाकर

पूरे घर मे घूमाते हैं तीन दिवसीय इस पर्व की शुरुआत षष्ठी से होती है जब महालक्ष्मी के दो प्रतिकात्मक स्वरूप को जलस्त्रोत से विधि-विधान से सम्मान के साथ घर के अंदर प्रवेश कराया जाता हे और पूजा स्थल पर बैठाया जाता है। महालक्ष्मी के दो मुखौटे जो बांस की आकृति पर सुशोभित होते हैं उन्हे परंपरागत पैठडी मराठी साडी पहनाई जाती है। इनके अंदर धान या गुझिया आदि पकवान भरे जाते हैं। देवी के दो मुखौटे वाले रूप मे बडी को ज्येष्ठा व छोटी को कनिष्ठिका माना जाता है जो दो बहनों का प्रतिनिधित्व करती हैं। बडी बहन तुलनात्मक रूप से आकृति मे बडी व गंभीर मुद्रा मे दिखती है जबकि छोटी कनिष्ठिका तेजोमय व लावण्यता लिए हुए होती हैं। तीन दिवसीय पर्व मे दोनो लक्ष्मी बहन की प्रतिदिन सुबह व शाम आरती की जाती है। घर मे समृद्धि रहे इस प्रयोजन से घर के सभी कोनों मे अक्षत छिडके जाते हैं। सप्तमी पर महालक्ष्मी को सौलह तरह की सब्जी, सोलह तरह की मिठाई आदि अर्पित की जाती है और घर मे सदैव समृद्धि व वैभव रहे ऐसी कामना की जाती है। अंतिम दिवस महालक्ष्मी की विदाई बेला मे ज्येष्ठा व कनिष्ठिका दोनो स्वरूप के मुखौटे थोडे उदास नजर आते हैं। अष्टमी की गोधूलि बेला मे महालक्ष्मी भक्तों से विदा लेकर अपने धाम लौट जाती हैं। परिवार की खुशहाली व

उज्जैन
शुक्रवार
18
सितम्बर, 2026

दैनिक
ब्रह्मास्त्र

पठतो नास्ति मूर्खत्वं अपनो नास्ति पातकम्।
मौनिनः कलहो नास्ति न भयं चास्ति जाग्रतः।।
अर्थः पाठक मूर्ख नहीं है; जप करने वाले को बुरा नहीं लगता; जो चुप रहता है वह झगड़ा नहीं करता; और जो जाग रहा है उसे कोई भय नहीं है।

खबर एक नजर...

बालाघाट में बच्चों की मौत पर इंदौर में कैंडल मार्च

इंदौर। बालाघाट में बच्चों की मौत के मामले को लेकर बुधवार शाम इंदौर में छात्र-छात्राओं और नागरिकों ने कैंडल मार्च निकाला। हाथों में मोमबत्तियां लेकर पहुंचे प्रदर्शनकारियों ने बच्चों को न्याय दिलाने और मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की। इस दौरान स्वास्थ्य मंत्री राजेंद्र शुक्ला के इस्तीफे की मांग को लेकर भी नारे लगाए गए। कैंडल मार्च आईटी पार्क से शुरू होकर भोलाराम उस्ताद मार्ग होते हुए टंट्या भील चौराहे तक पहुंचा। प्रदर्शनकारियों ने बालाघाट में हुई बच्चों की मौतों की जिम्मेदारी तय करने, जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय करने और पीड़ित परिवारों को जरूरी मदद देने की मांग की। मार्च का नेतृत्व अरुण बड़ोले और छात्र साथियों ने किया। बड़ोले ने कहा कि बच्चों की मौत का मामला गंभीर है। सरकार को संवेदनशीलता के साथ पूरे मामले की जांच कर जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई करनी चाहिए। उन्होंने स्वास्थ्य व्यवस्था में सुधार की जरूरत भी बताई, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं दोबारा न हों। प्रदर्शनकारियों ने सरकार से बालाघाट मामले की निष्पक्ष जांच कराने और पीड़ित परिवारों को न्याय दिलाने की मांग की। इस दौरान दीक्षा युइके, अनिल राणा, अखिलेश राणा, चंदू मुवेल, यश चौहान और रोहित वास्केल सहित अन्य छात्र मौजूद रहे।

सोलर पैनल लगाते समय करंट लगने से मौत

इंदौर। बाणगंगा थाना क्षेत्र में बुधवार शाम सोलर पैनल लगाने के दौरान करंट लगने से 28 वर्षीय कारीगर शशांक की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि वह पास से गुजर रही हाईटेंशन लाइन की चपेट में आया, जिससे नीचे गिर गया। हादसे के करीब डेढ़ घंटे बाद ठेकेदार और कंपनी मालिक ने परिजनों को घटना की सूचना दी। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। बाणगंगा पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान शशांक (28) पुत्र विजय राव, निवासी विजयनगर के रूप में हुई है। शशांक राधिका एंटरप्राइजेज कंपनी के लिए काम करता था। हादसे के बाद उसे पहले निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां से एमवाय अस्पताल भेजा गया। यहां उसकी मौत हो गई। रिश्तेदारों के मुताबिक, शशांक के पिता की कई साल पहले मौत हो चुकी है। परिवार में उसकी मां और दो छोटी बहनें हैं। शशांक घर में अकेला कमाने वाला था और परिवार का सहारा था। परिजनों ने हादसे को लेकर कंपनी मालिक संजय और ठेकेदार से जानकारी मांगी। उनका आरोप है कि दोनों ने घटना के बारे में स्पष्ट जानकारी नहीं दी। पुलिस का कहना है कि जांच के बाद लापरवाही बरतने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

कार ने ऑटो को मारी टक्कर फुटपाथ पर चढ़ी, दो घायल

इंदौर। तिलक नगर थाने के सामने गुरुवार सुबह करीब 7:30 बजे तेज रफ्तार कार ने एक पैसेंजर ऑटो को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद कार फुटपाथ पर चढ़ गई, जबकि ऑटो मौके पर ही पलट गया। हादसे में ऑटो ड्राइवर समेत दो लोग घायल हो गए। दोनों को उपचार के लिए एमवाय अस्पताल भेजा गया। कार में सवार दो छात्र वाहन छोड़कर मौके से भाग गए। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक लाल रंग की कार तेज रफ्तार में आ रही थी। इसी दौरान रॉन्ग साइड से पैसेंजर ऑटो सामने आ गया। कार चालक छात्र ने ऑटो को बचाने की कोशिश की, लेकिन कार सीधे ऑटो से जा टकराई। टक्कर के बाद ऑटो पलट गया और कार फुटपाथ पर जा चढ़ी। हादसे में ऑटो ड्राइवर अनिल पुत्र शांतिलाल निवासी गोया कॉलोनी और रवि पुत्र बालू निवासी पिपल्याहाना घायल हुए हैं। दोनों को एंबुलेंस की मदद से एमवाय अस्पताल भेजा गया। हादसे के बाद मौके पर काफी देर तक एंबुलेंस नहीं पहुंचने की बात सामने आई। वहीं थाने के सामने हादसा होने के बावजूद शुरूआती समय में पुलिसकर्मी भी घायलों की मदद के लिए नहीं पहुंचे। बाद में मामले की जानकारी एडिशनल डीसीपी अमरिंदर सिंह को दी गई। उनके निर्देश पर घायलों की मदद कर उन्हें अस्पताल पहुंचाया गया। पुलिस अब कार में सवार छात्रों की जानकारी जुटा रही है। हादसे के कारणों और वाहन की रफ्तार को लेकर भी जांच की जा रही है।

जेएबी ग्रुप के आउटलेट पर सेंट्रल जीएसटी की सर्चिंग

इंदौर। इंदौर के पुराने और प्रतिष्ठित मिठाई-नमकीन कारोबारी जेएमबी ग्रुप के इंदौर स्थित तीन ठिकानों पर बुधवार को सेंट्रल जीएसटी विभाग की टीम ने एक साथ कार्रवाई शुरू की। विभाग को अनियमितताओं और बिना बिल ड्रायफ्रूट्स की खरीद-बिक्री से जुड़ी जानकारी मिली थी। इसके बाद अधिकारियों की अलग-अलग टीमों ने समूह के तीन आउटलेट्स पर पहुंचकर दस्तावेजों और रिकॉर्ड की जांच शुरू की। कार्रवाई के दौरान दुकानों के शटर बंद रखे गए। अधिकारियों द्वारा स्टॉक, बिक्री रिकॉर्ड, बिल और कंप्यूटर में दर्ज कारोबारी डेटा का मिलान किया जा रहा है। टीम ने कलेक्टोरेट के समीप, स्कीम नंबर 104 और रेसकोर्स रोड स्थित प्रतिष्ठानों पर एक साथ पहुंची और जांच शुरू की। मिली जानकारी के मुताबिक सेंट्रल जीएसटी की जांच में ड्रायफ्रूट्स की बिना बिल खरीद-बिक्री को प्रमुखता से देखा जा रहा है। बताया जा रहा है कि विभाग को ऐसी जानकारी मिली थी कि मिठाई कारोबार में ड्रायफ्रूट्स की बढ़ती खपत के बीच बिना जीएसटी बिल के खरीदारी की जा रही है। इसी आधार पर अधिकारियों ने स्टॉक और लेखा-जोखा की जांच शुरू की है। जेएमबी ग्रुप के इतिहास की बात करें तो इसकी स्थापना 1954 में इंदौर में की थी। फिलहाल विभाग की कार्रवाई जारी है। अधिकारियों द्वारा दस्तावेजों, स्टॉक और रिकॉर्ड की जांच की जा रही है। टैक्स चोरी या किसी अन्य अनियमितता की वास्तविक स्थिति जांच पूरी होने और विभाग की आधिकारिक जानकारी सामने आने के बाद ही स्पष्ट होगी।

राजीव हत्याकांड की सुरक्षा चूकें गिनाईं, 1500 स्वयंसेवक, 6 एंट्री-8 एग्जिट जरूरी

राहुल गांधी के 'छात्रों की गूंज' पर 31 कड़ी शर्तें लगाईं

ब्रह्मास्त्र ▸▸ इंदौर

लोकसभा नेता प्रतिपक्ष के इंदौर में 19 सितंबर को होने वाले छात्रों की गूंज कार्यक्रम के लिए पुलिस ने अब 31 कड़ी शर्तें रखी हैं। इसके साथ राहुल के पिता और पूर्व पीएम राजीव गांधी की हत्या के वक्त हुई सुरक्षा चूकों से जुड़ी लिस्ट भी दी हैं। चूकों को ध्यान में रखते हुए कार्यक्रम में आयोजकों की जिम्मेदारियां तय की गई हैं।

पुलिस ने कार्यक्रम की अनुमति के साथ ही राजीव गांधी की 21 मई 1991 को श्रीपेरंबदूर में हुई हत्या और उसकी जांच के लिए गठित जस्टिस जेएस वर्मा आयोग की रिपोर्ट का हवाला दिया है।

पुलिस ने कांग्रेस शहरा अध्यक्ष चिंटू चौकसे को शर्तों की सूची देते हुए स्पष्ट किया है कि इनका पालन अनिवार्य है। भीड़ प्रबंधन से लेकर मंच, प्रवेश-निकास, पार्किंग, तलाशी, चिकित्सा और आपातकालीन निकासी तक की विस्तृत व्यवस्था आयोजकों को करनी होगी।

2 हजार की क्षमता वाले सेक्टर, 1500 स्वयंसेवक- कार्यक्रम स्थल की भीड़ को अधिकतम 2 हजार लोगों की क्षमता वाले सेक्टरों में बांटना होगा। प्रत्येक सेक्टर के लिए प्रभारी और पर्याप्त गैंगवे रखने होंगे। आयोजकों को अपेक्षित भीड़ का पुरुष-महिला संख्या सहित शपथ-पत्र भी देना होगा। पुलिस ने न्यूनतम 1500 स्वयंसेवक तैनात करने की शर्त रखी है, इनमें कम से कम 500 महिला स्वयंसेवक होंगी।

6 प्रवेश, 8 निकास; 40 उळळश से निगरानी- कार्यक्रम स्थल पर कम से कम 6 प्रवेश और 8 निकास द्वार बनाने होंगे। प्रत्येक द्वार की चौड़ाई कम से कम 6 मीटर रखनी होगी। तलाशी के लिए 20 डीएफएमडी और 30 से 40 एचएचएमडी लगाने होंगे। पूरे परिसर में कम से कम 40 नाइट-विजन सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे और उनकी रिकॉर्डिंग 30 दिन तक सुरक्षित रखनी होगी।

मंच के सामने 30 फीट तक खाली रहेगा क्षेत्र- मंच के सामने 25 से 30 फीट का ऊएरिया खाली रखना होगा। यहां केवल सुरक्षाकर्मी रहेंगे और डबल बैरिकेडिंग की जाएगी। मंच तक पहुंच के लिए नियंत्रित रास्ता होगा, जबकि पीछे अलग निकास की व्यवस्था रहेगी। मंच से 30 मीटर के भीतर एंबुलेंस उपलब्ध रहेगी।

चिकित्सा, पानी और शौचालय की भी व्यवस्था

कार्यक्रम स्थल पर दो डॉक्टर, चार पैरामेडिक और चार एंबुलेंस तैनात करनी होंगी, जिनमें एक अछर एंबुलेंस होगी। नजदीकी अस्पताल से आपातकालीन बेड के लिए टाई-अप भी करना होगा। हर 500 लोगों पर एक जल-बिंदु और हर 250 लोगों पर एक मोबाइल शौचालय की व्यवस्था करनी होगी।

मौसम बिगड़ा तो प्रशासन लेगा अंतिम फैसला

बारिश या अन्य आपात स्थिति के लिए सेक्टरवार निकासी योजना तैयार करनी होगी। ऊ-1 पर मॉक ड्रिल भी कराई जाएगी। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि खराब मौसम अथवा किसी अन्य आपात स्थिति में कार्यक्रम को रोकने, छोटा करने या स्थगित करने का अंतिम निर्णय पुलिस और जिला प्रशासन का होगा।

पंडाल से पार्किंग तक की जिम्मेदारी आयोजकों की

- पुलिस ने पंडाल को अग्निरोधी सामग्री से बनाने, संरचनात्मक सुरक्षा प्रमाण-पत्र लेने और आपातकालीन कॉरिडोर को पूरी तरह खाली रखने के निर्देश दिए हैं। पार्किंग के लिए अलग-अलग पॉकेट निर्धारित करने होंगे। मुख्य मार्गों और रहवासी गलियों में पार्किंग पर रोक रहेगी। दूरस्थ पार्किंग से कार्यक्रम स्थल तक शटल की व्यवस्था आयोजकों को करनी होगी।

डी-1 शाम 6 बजे के बाद स्थल होगा सील

- आयोजकों को कार्यक्रम से एक दिन पहले शाम 6 बजे तक निर्माण, साज-सज्जा, बिजली और ध्वनि संबंधी सभी काम पूरे करने होंगे। इसके बाद बीडीडीएस और श्वान दल से एंटी-सबोटाज जांच कराकर स्थल और मंच सील किए जाएंगे। इसके बाद पुलिस जांच के बिना किसी व्यक्ति, वाहन या सामग्री को अंदर प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

चिंटू चौकसे ने कहा- पहले 10 लाख लिए, फिर तैयारी के नाम पर 4 लाख और मांगे

मैदान का किराया...कांग्रेस ने 4 लाख रुपए और जमा किए

ब्रह्मास्त्र ▸▸ इंदौर

राहुल गांधी के 19 सितंबर को इंदौर में प्रस्तावित छात्रों की गूंज कार्यक्रम के लिए रीजनल पार्क के सामने मैदान का किराया फिर बढ़ गया। इंदौर विकास प्राधिकरण ने कार्यक्रम की तैयारी के नाम पर 4 लाख रुपए अतिरिक्त मांगे लिए। कांग्रेस ने गुरुवार को यह राशि भी जमा करा दी।

राहुल गांधी के कार्यक्रम के लिए अनुमति लेने में कांग्रेस को 15 दिन लग गए। इंदौर विकास प्राधिकरण ने जैसे-तैसे 10 लाख 8 हजार रुपए लेकर मैदान में कार्यक्रम करने की अनुमति दी, तो बुधवार को नया पेंच आ गया। क्ळश ने कांग्रेस से कार्यक्रम की तैयारी के नाम पर फिर से 4 लाख रुपए मांग लिए।

पहले 2 लाख मांगे फिर 10 लाख और अब- शहर कांग्रेस अध्यक्ष चिंटू चौकसे के मुताबिक मैदान के लिए आवेदन करने पर शुरूआत में करीब 2 लाख रुपए शुल्क बताया गया था। बाद में शुल्क बढ़ाया गया और करीब 10 लाख रुपए किराया निर्धारित किया गया। कांग्रेस ने निर्धारित राशि जमा कर दी। इसके बाद क्ळश के मुख्य कार्यपालन अधिकारी की ओर से तैयारी के लिए 4 लाख रुपए अतिरिक्त जमा करने का पत्र दिया गया।

अनुमति 15 सितंबर की, तैयारी शुल्क 14 से- चौकसे ने अनुमति की तारीख को लेकर भी सवाल उठाया। उनका कहना है कि क्ळश ने कार्यक्रम की अनुमति 15 सितंबर को दी, जबकि तैयारी के लिए लगाए गए अतिरिक्त शुल्क की गणना 14 सितंबर से की गई। कांग्रेस ने इसे अनुचित बताते हुए प्रशासन पर भाजपा के दबाव में काम करने का आरोप लगाया है।

तीन दिन के लिए मिला 12 हजार वर्गमीटर मैदान

- कांग्रेस के मुताबिक, रीजनल पार्क के सामने करीब 12 हजार वर्गमीटर मैदान 17 से 19 सितंबर तक तीन दिन के लिए आवंटित किया गया है। मैदान के लिए 10.08 लाख रुपए पहले ही जमा किए जा चुके थे। अब तैयारी के शुल्क के रूप में 4 लाख रुपए और जमा किए गए हैं।
- चौकसे ने कहा कि छात्रों की गूंज युवाओं और आने वाली पीढ़ी से जुड़े मुद्दों पर केंद्रित कार्यक्रम है। उन्होंने आरोप लगाया कि कार्यक्रम की तैयारियों में शुल्क और अनुमति से जुड़ी अड़चनें खड़ी की जा रही हैं।

एमबीबीएस छात्रा से छेड़छाड़

ब्रह्मास्त्र ▸▸ इंदौर

संयोगितागंज में एक एमबीबीएस की छात्रा के साथ छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। संयोगितागंज पुलिस के मुताबिक, एमवाय (एम) इलाके में रहने वाली छात्रा की शिकायत पर दिव्यांशु सिंह के खिलाफ छेड़छाड़ और धमकाने के मामले में एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। छात्रा ने बताया कि नीट की तैयारी के दौरान उसकी दिव्यांशु से पहचान हुई थी। इसके बाद वह उसे परेशान करने लगा। वह छात्रा का पीछा करता और कहीं भी रोककर जबरदस्ती बात करने का दबाव बनाता था। दिव्यांशु ने छात्रा के निजी फोटो और वीडियो उसके दोस्तों को भेज दिए, जिससे उसकी बदनामी भी हुई। आरोपी शादी करने के लिए पीड़िता पर दबाव बना रहा था। उसने परिजन को भी फोटो और वीडियो भेजने की बात कही थी। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं, राजेंद्र नगर क्षेत्र में 24 साल के युवती से रेप का मामला सामने आया है। राजेंद्र नगर पुलिस ने 24 साल की युवती की शिकायत पर अभिषेक गुर्जर के खिलाफ रेप की एफआईआर दर्ज की है। पीड़िता के मुताबिक, काम के दौरान दोनों की पहचान हुई थी। आरोपी ने शादी का झांसा देकर उसके साथ संबंध बनाए। उसने पीड़िता को कमरा भी दिलाया और उसके साथ लिव-इन में रहा। बाद में पीड़िता के प्रेग्नेंट होने पर आरोपी उसे छोड़कर चला गया। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया है। वहीं, तिलक नगर पुलिस ने 32 साल की महिला की शिकायत पर रितेश गुर्जर (निवासी बड़वानी) के खिलाफ रेप का मामला दर्ज किया है।

फर्जी दस्तावेजों से सिम जारी करने वाले नेटवर्क का खुलासा

ब्रह्मास्त्र ▸▸ इंदौर

साइबर पुलिस ने फर्जी दस्तावेजों के जरिए सिम कार्ड एक्टिवेट कर उनके दुरुपयोग करने वाले नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने मांगलिया क्षेत्र से वीआई कंपनी के पीओएस एजेंट राजकुमार यदुवंशी को गिरफ्तार किया है। जांच में सामने आया कि आरोपी ने एक ही व्यक्ति के चेहरे का इस्तेमाल कर 101 सिम कार्ड फर्जी तरीके से जारी किए थे। डीएसपी नरेंद्र चंद्रवती के मुताबिक, डिपार्टमेंट ऑफ टेलीकम्युनिकेशन, भारत सरकार के निर्देशों के बाद संदिग्ध सिम कार्डों की जांच शुरू की गई थी। जांच में एक ही व्यक्ति के चेहरे का इस्तेमाल कर 101 सिम जारी किए जाने की जानकारी सामने आई। इसके बाद पुलिस ने संबंधित पीओएस एजेंट की जानकारी जुटाकर आरोपी को पकड़ा। पूछताछ में आरोपी की पहचान राजकुमार यदुवंशी पुत्र सुमेर सिंह, निवासी होशंगाबाद के रूप में हुई। पुलिस के मुताबिक वह पिछले करीब 10 साल से सिम बेचने और एक्टिवेट करने का काम कर रहा था। उसने इंदौर की 5-6 मोबाइल दुकानों के नाम का दुरुपयोग कर खुद को वीआई कंपनी का पीओएस एजेंट पंजीकृत करा रखा था। नियम के अनुसार सिम एक्टिवेट करते समय ग्राहक और एजेंट, दोनों का लाइव फोटो ऐप पर अपलोड किया जाता है। आरोपी ग्राहकों के आधार कार्ड और अन्य दस्तावेजों का दुरुपयोग करता था। वह ग्राहक के लाइव फोटो की जगह अपना फोटो अपलोड कर देता था।

शराब के लिए पैसे नहीं देने पर किया हमला, बचाने आए युवक को चाकू मारे

इंदौर में बदमाशों ने मोमोज वाले पर खौलता तेल फेंका

ब्रह्मास्त्र ▸▸ इंदौर

बजरंग नगर इलाके में शराब के लिए रुपए मांगकर अड़ीबाजी कर रहे चार बदमाशों ने बुधवार रात जमकर उत्पात मचाया। मोमोज दुकानदार ने रुपए देने से इनकार किया तो आरोपियों ने मारपीट की और कढ़ाई का खौलता तेल उस पर फेंक दिया। दुकानदार को बचाने आए पड़ोसी युवक पर आरोपियों ने चाकू से हाथ-पैर पर वार कर दिए। घटना के बाद आरोपी मौके से भाग गए।

मुफ्त में मोमोज मांगे, फिर शराब के लिए रुपए मांगे- बजरंग नगर निवासी समीर मोरे ने पुलिस को शिकायत में बताया कि वह इलाके में मोमोज की दुकान चलाता है। बुधवार रात करीब 9:30 बजे वह ग्राहकों को मोमोज बेच रहा था। इसी दौरान दो बाइक पर चार बदमाश वहां पहुंचे। पहले उन्होंने मुफ्त में मोमोज मांगे। इसके बाद शराब पीने के लिए रुपए मांगने लगे। समीर ने रुपए देने से मना किया तो आरोपियों ने उसके साथ गाली-गलौज और मारपीट शुरू कर दी। इसी दौरान बदमाशों ने कढ़ाई में रखा खौलता तेल समीर पर फेंक दिया।

बचाने आए पड़ोसी पर चाकू से हमला

घटना के समय पड़ोसी हर्ष गणगोरे अपनी बहन के साथ मोमोज लेने पहुंचा था। उसने समीर को बचाने की कोशिश की। इस पर दो आरोपियों ने हर्ष के हाथ और पैर पर चाकू से वार कर दिए। इसके बाद चारों आरोपी मौके से भागने लगे।

लोगों ने एक आरोपी को पकड़ा, पीटा

भागते समय लोगों ने शुभम पंडित नाम के एक आरोपी को पकड़ लिया और उसकी जमकर पिटाई कर दी। वहीं अमन गेले, पीयूष और पवन गुर्जर मौके से भाग गए। पुलिस ने देर रात कुछ अन्य संदिग्ध बदमाशों को भी हिरासत में लिया है। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर घटना में शामिल अन्य लोगों की भूमिका की जांच कर रही है।

कॉन्स्टेबल पर रेप पीड़िता को जहर देने का आरोप

पीड़िता बोली- एसपी ऑफिस में पानी में मिलाकर दिया, सरेराह कपड़े भी खींचे

ब्रह्मास्त्र ▸▸ इंदौर

जीआरपी थाने में पदस्थ कॉन्स्टेबल रितेश शर्मा के खिलाफ रेप पीड़िता को जहर देकर मारने की कोशिश के आरोप में एफआईआर दर्ज की गई है। आरोपी कॉन्स्टेबल फरार है।

पीड़िता का आरोप है कि रितेश ने समझौते की बात करने के बहाने उसे एसपी ऑफिस परिसर में बुलाया और पानी में जहर मिलाकर पिला दिया। पीड़िता की शिकायत पर छोटी ग्वालटोली पुलिस ने बुधवार को मामला दर्ज किया था।

गुना निवासी 28 वर्षीय पीड़िता ने बताया कि रितेश शर्मा निवासी भूरी टेकरी जीआरपी क्वार्टर के खिलाफ पहले शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने का मामला गुना थाने में दर्ज कराया था। रितेश ने कोर्ट से अग्रिम जमानत ले ली थी। जमानत के बाद आरोपी वॉट्सएप के जरिए पीड़िता से संपर्क कर समझौते का दबाव बनाने की कोशिश कर रहा था।

सरवटे बस स्टैंड पर कपड़े खींचे और धमकी दी- पीड़िता के अनुसार, 2 अगस्त को वह सरवटे बस स्टैंड के पास चाय पी रही थी, तभी रितेश वहां पहुंचा। पीड़िता का आरोप है कि उसने बदसलूकी करते हुए उसके कपड़े खींचे और धमकी दी। उसने कहा- वह पुलिस में है, इसलिए उसका कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता। इसके बाद आरोपी ने उस पर हनीट्रैप से जुड़े गंभीर आरोप भी लगाए। जहर देने के आरोप में एफआईआर दर्ज की है।

जहर मिला पानी देकर मीटिंग के बहाने चला गया

- पीड़िता के मुताबिक, रितेश ने बातचीत के बहाने उसे इंदौर स्थित जीआरपी एसपी ऑफिस परिसर में बुलाया। वहां टेबल पर बैठाकर उसने पीने के लिए पानी दिया, जिसमें जहर मिला हुआ था। पानी देने के बाद आरोपी मीटिंग का बहाना बनाकर चला गया।
- पीड़िता के मुताबिक, कुछ ही देर में उसे घबराहट होने लगी और वह एसपी ऑफिस परिसर में गिर गई। वहां मौजूद कर्मचारियों ने उसे अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका करीब 15 दिनों तक इलाज चला।
- इलाज के बाद पीड़िता ने डॉक्टरों और पुलिस के सामने रितेश पर जहर देने का आरोप लगाया। जांच के बाद छोटी ग्वालटोली पुलिस ने बुधवार को रितेश शर्मा के खिलाफ धमकाने और जान से मारने की नीयत से

पीछा करने पर पुलिस पर की थी फायरिंग

पुलिस पर दो गोलियां चलाने वाले आरोपी को 10 साल का सश्रम कारावास

ब्रह्मास्त्र ▸▸ इंदौर

पुलिस टीम पर फायरिंग कर जानलेवा हमला करने वाले आरोपी को देपालपुर की अदालत ने 10 वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। अपर सत्र न्यायाधीश हिदायत उल्ला खान की अदालत ने आरोपी मनोज उर्फ मांगीलाल गतीजा को पुलिस पर फायरिंग और शासकीय कार्य में बाधा डालने का दोषी माना। आरोपी हत्या और सोना लूट के मामले में फरार चल रहा था। अदालत ने आईपीसी की धारा 307 के तहत 10 वर्ष, आयुध अधिनियम की धारा 27(1) के तहत 7 वर्ष, धारा 25(1-बी)(ए) के तहत 2 वर्ष और आईपीसी की धारा 353 के तहत 1 वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई। साथ ही कुल 9,500 रुपए का अर्थदंड भी लगाया गया। फैसला 15 सितंबर 2026 को सत्र प्रकरण क्रमांक 10/2022 में सुनाया गया। शासन की ओर से अतिरिक्त जिला अभियोजन अधिकारी विशाल गुप्ता ने पैरवी की। अभियोजन के अनुसार घटना 20 दिसंबर 2021 की है। देपालपुर थाना प्रभारी निरीक्षक मीना कर्णावत को सूचना मिली थी कि खरगोन जिले के सनावद में हत्या और सोना लूट के मामले में फरार आरोपी रतलाम नंबर की पल्सर बाइक लेकर खड़ा है। वह किसी व्यक्ति का इंतजार कर रहा है। सूचना पर उपनिरीक्षक दीपक राठौर पुलिस बल के साथ बताए गए स्थान पर पहुंचे। देपालपुर-बेटमा मार्ग पर एक संदिग्ध व्यक्ति पल्सर बाइक के साथ दिखाई दिया। पुलिस को देखते ही उसने बाइक छोड़ी और भागने लगा। पुलिसकर्मियों ने आरोपी का पीछा किया। इसी दौरान उसने उपनिरीक्षक दीपक राठौर को निशाना बनाकर दो गोलियां चला दीं। उपनिरीक्षक ने नीचे बैठकर किसी तरह अपनी जान बचाई। फायरिंग के बाद आरोपी गेहूं के खेत में घुस गया। पुलिस टीम ने ग्रामीणों की मदद से खेत की घेराबंदी की और उसे पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम मनोज उर्फ मांगीलाल गतीजा पिता भैरूलाल गतीजा, निवासी सज्जन मिल के पीछे, विरियाखेड़ी, जिला रतलाम बताया। तलाशी में उसके पास से पिस्तौल, मैगजीन और तीन कारतूस बरामद किए गए। घटनास्थल से दो खाली खोखे भी जब्त किए गए।

खबर एक नजर...

सागर शराबकांड के बाद नेशनल हाइवे पर 200 दुकानें तोड़ीं

सागर। सागर के जहरीली शराबकांड में अब तक 36 लोगों की मौत हो चुकी है। इसके चलते प्रशासन ने जिलेभर में अवैध शराब के अडडों पर ताबड़तोड़ कार्रवाई की है। खुरई में भी 11 सितंबर को नेशनल हाइवे 44 पर 53 किलोमीटर एरिया में सड़क किनारे बने 200 से ज्यादा ढाबे-होटल, दुकान-गुमटियां जेसीबी से हटा दिए गए। इनमें कुछ ढाबे भाजपा नेताओं के भी हैं। इस कार्रवाई के बाद छोटे दुकानदारों पर रोजीरोटी का संकट छा गया है। ऐसे में किसी ने ट्रक में चाय की दुकान खोल ली है, तो किसी ने यात्री प्रतीक्षालय में ही किराने का सामान बेचने के लिए रख लिया है। नेशनल हाईवे 44 झांसी से ललितपुर होते हुए सागर के खुरई से गुजरता है। पिछले 10 साल में हाईवे से गुजरने वाले वाहनों और यात्रियों की संख्या बढ़ने के साथ चाय-नाश्ते की दुकानों से लेकर ढाबे और होटल तक खुलते गए। 53 किलोमीटर के एरिया में चाय-नाश्ता, फोटोकॉपी, गुटखा-सिगरेट के लिए गुमटियां, अंडे के ठेले समेत करीब 200 दुकानें लगने लगीं। 25 से ज्यादा होटल और ढाबे भी शुरू हो गए। एक हफ्ते पहले तक यहां लोग रुककर चाय-नाश्ता करते थे। लेकिन अब खुरई-मालथौन-बांदरी के हिस्से का नजारा बदला हुआ है। ढाबे और दुकानें मलबे में तब्दील हो गए हैं। दुकानों के शेड टूटे पड़े हैं। मालथौन के अटार करनैल गड़ा गांव के पास आरटीओ की चेक पोस्ट और प्रतीक्षालय बना है। यहां करीब 35 दुकानें थीं। अब सड़क किनारे मलबा बिखरा पड़ा है। दुकानदार सामान उठाकर घर ले गए।

579 पारदी बदमाशों की डिजिटल कुंडली तैयार, लोकेशन मिलते ही घर पहुंचेगी पुलिस

भोपाल। देश के अलग-अलग राज्यों की पुलिस वारदात के बाद पारदी गांवों में दबिश देने पहुंचती है, लेकिन अक्सर खाली हाथ लौटती है। वजह यह थी कि बाहरी पुलिस के पास इनके ठिकानों की सटीक जानकारी नहीं होती थी। अब यह कहानी पूरी तरह बदल गई है। गुना पुलिस ने चार प्रमुख पारदी बहुल गांवों के 579 वारंटी बदमाशों के घरों को अपने डिजिटल नक्शे पर उतार दिया है। पुलिसकर्मियों ने घर-घर जाकर जियो-टैगिंग की, अपने सूत्रों से पते जुटाए और मौके पर जाकर उनका सत्यापन किया।

इसके बाद पूरे आपराधिक नेटवर्क की डिजिटल कुंडली तैयार की गई। गुना एसपी हितिका वासल ने बताया कि समुदाय से जुडे. बदमाशों की विस्तृत प्रोफाइल तैयार की जा रही है वहीं नई दिशा अभियान के तहत मुख्य धारा में जोड़ने का प्रयास भी कर रहे है।

मनेरी सेवा समिति प्रबंधक के घर ईओडब्ल्यू का छापा

बालाघाट। बालाघाट जिले की मनेरी सेवा सहकारी समिति मर्यादित के प्रबंधक विलास चौरे के लांजी स्थित आवास पर गुरुवार सुबह 6 बजे ईओडब्ल्यू जबलपुर की टीम ने छापा मारा। अब तक की पड़ताल में प्रबंधक और उनके परिजनों के नाम पर 3 करोड़ रुपए से ज्यादा की अनुपातहीन संपत्ति का खुलासा हो चुका है। कार्रवाई अभी जारी है। छापेमारी के दौरान सामने आया कि प्रबंधक ने वैध आय से कई गुना ज्यादा संपत्ति खड़ी कर रखी है। आरोपी के पास 5 लग्जरी स्लीपर बसें मिली हैं, जिनकी अनुमानित कीमत 1 करोड़ रुपए आंकी गई है। नई स्कॉर्पियो, ग्रैंड विटारा और 2 बोलेरो समेत 3 दो पहिया वाहन बरामद हुए हैं। आलीशान मकान-जमीन, 8 बैंक खाते खंगाल रही टीमः सहकारी समिति के एक छोटे से प्रबंधक के ठाठ-बाट ऐसे कि जांच अफसर देखकर हैरान रह गए। 70 लाख रुपए की भूमि, प्लॉट और मकान के दस्तावेज मिले हैं। वहीं घर के भीतर 70 लाख रुपए के महंगे घरेलू साज-सामान (इन्वेंट्री) की जानकारी सामने आई है।

गश्त के दौरान पुलिस ने ट्रैक्टर-ट्रॉली घेराबंदी कर पकड़ी

मुरैना। मुरैना जिले में रेत और पत्थर के अवैध उत्खनन, परिवहन और भंडारण के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई जारी है। इसी क्रम में सिविल लाइन थाना पुलिस ने बुधवार को सहराना कॉलोनी में रेत से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली पकड़ी। पुलिस के मुताबिक ट्रॉली में आसन नदी की रेत भरी हुई थी। मौके से एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर करीब 7 लाख रुपए कीमत का ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त किया गया है। पुलिस के अनुसार सिविल लाइन थाना क्षेत्र की सहराना कॉलोनी में गश्त के दौरान एक व्यक्ति ट्रैक्टर-ट्रॉली लेकर खड़ा दिखाई दिया। ट्रॉली में रेत भरी थी। पुलिस टीम ने मौके पर घेराबंदी कर व्यक्ति को पकड़ा और ट्रॉली की जांच की। जांच के दौरान ट्रॉली में रेत मिली। पुलिस के मुताबिक पूछताछ में व्यक्ति ने रेत को आसन नदी की बताया। इसके बाद पुलिस उसे थाने लेकर पहुंची और ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त कर ली।

गरबा और गणेश पंडालों की सुरक्षा व्यवस्था परखी

रतलाम। रतलाम में गणेश उत्सव और आगामी त्योहारों को देखते हुए एसपी अमित कुमार गुरुवार रात अचानक शहर की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेने निकले। उन्होंने गरबा और गणेश पंडालों पर पहुंचकर व्यवस्थाएं देखीं। इसके बाद शहर में बनाई गई अस्थाई पुलिस चौकियों का निरीक्षण किया और वहां तैनात पुलिसकर्मियों की मौजूदगी व सक्रियता जांची।

मंदसौर में 51 हजार दीपों से जगमगाया पशुपतिनाथ लोक परिसर

आशीर्वाद का दीया से सेवा संकल्प अभियान शुरू, 17 अक्टूबर तक रक्तदान और जन-जागरूकता जैसे कार्यक्रम होंगे

ब्रह्मास्त्र ▸▸ मंदसौर

मंदसौर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर गुरुवार शाम आशीर्वाद का दीया कार्यक्रम के साथ सेवा संकल्प अभियान-2026 की शुरूआत हुई। शहर के पशुपतिनाथ लोक परिसर में करीब 51 हजार दीपों से रोशनी की गई। दीपों की रोशनी से पूरा परिसर जगमगा उठा और शिवना नदी के घाट पर भी दीप जलाए गए।

यह सेवा संकल्प अभियान प्रदेशभर में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलेगा। इसकी शुरूआत ह्यआशीर्वाद का दीयाह्न कार्यक्रम से हुई। शाम 7 बजे जिले के प्रमुख ऐतिहासिक, धार्मिक और आइकॉनिक स्थानों सहित अलग-अलग क्षेत्रों में सामूहिक रूप से दीप जलाए गए। पशुपतिनाथ लोक परिसर में राज्यसभा सांसद बंशीलाल गुर्जर, भोपाल से आए जिला नोडल अधिकारी शोभित जैन, जिला पंचायत अध्यक्ष दुर्गा विजय पाटीदार, जिला योजना समिति अध्यक्ष राजेश दीक्षित, पूर्व विधायक यशपाल सिंह सिसोदिया और नगर पालिका अध्यक्ष रमादेवी बंशीलाल गुर्जर सहित कई जनप्रतिनिधियों ने दीप जलाए। इस कार्यक्रम में कलेक्टर दिव्यांक सिंह, अपर कलेक्टर एकता जायसवाल, जिला पंचायत सीईओ अनुकूल जैन सहित प्रशासनिक अधिकारी, गायत्री परिवार के सदस्य, बटुक और शहरवासी भी शामिल हुए। इस दौरान राज्यसभा सांसद बंशीलाल गुर्जर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश विकास की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

दीपों से भारत का नक्शा बनाया

गरोठ में दिल्ली-मुंबई 8-लेन एक्सप्रेस-वे के टोल प्लाजा पर भी सेवा संकल्प अभियान के तहत एक खास कार्यक्रम हुआ। यहां दीपों से भारत का नक्शा बनाया गया। कार्यक्रम में विधायक चंदरसिंह सिसोदिया, एसडीएम राहुल चौहान, थाना प्रभारी बलवीर सिंह यादव सहित अधिकारी-कर्मचारी और जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। जिले में पशुपतिनाथ लोक के अलावा 17 अन्य प्रमुख स्थानों पर भी दीप जलाए गए। जिला प्रशासन ने अभियान के तहत अलग-अलग गतिविधियों के लिए अधिकारियों को नोडल अधिकारी की जिम्मेदारी दी थी। पशुपतिनाथ मंदिर परिसर में बड़े पैमाने पर दीप जलाने के लिए मंदसौर एसडीएम को नोडल अधिकारी बनाया गया था। सेवा संकल्प अभियान के दौरान दीप जलाने के साथ जनभागीदारी से जुड़ी कई गतिविधियां भी की जाएंगी। इनमें स्वच्छता, सेवा, जन-जागरूकता, रचनात्मक कार्यक्रम, रक्तदान और सरकार आपके द्वार सहित कई गतिविधियां शामिल हैं।

सांसद अनिल फिरोजिया करेंगे राज्य स्तरीय टेबल टेनिस स्पर्धा का शुभारंभ

आज से भिड़ेंगे टेबल टेनिस के 263 धुरंधर

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

टेबल टेनिस के रोमांचक मुकाबलों के लिए उज्जैन नगरी पूरी तरह खेलमय हो चुकी है। मध्यप्रदेश के विभिन्न जिलों से आए 263 महिला-पुरुष खिलाड़ी आज से शुरू होने वाली तीन दिवसीय राज्य स्तरीय टेबल टेनिस स्पर्धा में अपनी प्रतिभा और खेल कौशल का प्रदर्शन करेंगे। स्पर्धा में रिकॉर्ड 483 प्रविष्टियां प्राप्त हुई हैं। स्पर्धा में उज्जैन से 34 महिला-पुरुष खिलाड़ी भी भाग ले रहे हैं।

उज्जैन जिला टेबल टेनिस एसोसिएशन के उपाध्यक्ष एवं पूर्व टेबल टेनिस खिलाड़ी राजेश शर्मा ने बताया कि मध्यप्रदेश टेबल टेनिस एसोसिएशन के चेयरमैन ओम सोनी के मार्गदर्शन में स्पर्धा का शुभारंभ दोपहर 12 बजे लोकमान्य तिलक स्कूल के राजाभाऊ महाकाल हॉल में खेलप्रेमी सांसद अनिल फिरोजिया करेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता उज्जैन जिला टेबल टेनिस एसोसिएशन के संरक्षक कुलदीप भार्गव करेंगे।

इस अवसर पर विक्रम अवॉर्डी एवं उपाध्यक्ष मध्यप्रदेश टेबल टेनिस एसोसिएशन जयेश आचार्य, महासचिव मध्यप्रदेश टेबल टेनिस एसोसिएशन एवं पूर्व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी रिंकू आचार्य, कार्यपालन अधिकारी लोकमान्य तिलक न्यास गिरीश भालेराव, आंचलिक प्रबंधक बैंक ऑफ इंडिया उज्जैन अंचल अजीत कुमार शरण, लोकमान्य तिलक न्यास के सचिव अर्जुन कानडी, खेल अधिकारी विजेंद्र देवड़ा तथा डॉक्टर हेडगेवार व्याख्यान माला न्यास समिति के अध्यक्ष उल्हास वेद विशेष अतिथि के रूप से उपस्थित रहेंगे। श्री शर्मा ने बताया कि स्पर्धा में नौ वर्ष की उम्र के नन्हे खिलाड़ी से लेकर 70 वर्ष तक के अनुभवी खिलाड़ी अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। प्रतियोगिता छह वर्गों– अंडर-11, अंडर-13, अंडर-15, अंडर-17, अंडर-19 एवं सीनियर वर्ग–में आयोजित की जा रही है।

मप्र में 21 सितंबर तक बारिश का दौर

एक्सपर्ट बोले-मानसून अंतिम चरण में, पर सक्रियता खत्म नहीं

ब्रह्मास्त्र ▸▸ भोपाल

मध्य प्रदेश में दक्षिण-पश्चिम मानसून अपने अंतिम चरण में पहुंच चुका है। सितंबर के आखिरी सप्ताह से इसकी विदाई शुरू हो जाएगी। इससे पहले प्रदेश में तेज बारिश का एक और दौर आ सकता है। मौसम विशेषज्ञ शैलेंद्र कुमार नायक ने बताया कि अभी मानसून की सक्रियता समाप्त नहीं हुई है। 21 सितंबर तक प्रदेश में कहीं-कहीं बारिश, गरज-चमक और आंधी चलेगी।

उन्होंने कहा- मौसम का सात दिनी पूवार्नुमान देखें तो 18 से 21 सितंबर के बीच प्रदेश में वर्षा की गतिविधि बनी रहेगी जबकि 22 सितंबर को यह अपेक्षाकृत सीमित हो जाएगी। मानसून की विदाई की शुरूआत पश्चिमी राजस्थान से होने का अनुमान है। एमपी में इसकी सक्रियता आखिरी सप्ताह तक बनी रहेगी। इससे प्रदेश के उन जिलों की तस्वीर सुधर सकती है, जहां पर सामान्य से कम बारिश हुई है। फिलहाल प्रदेश के 18 जिलों में सामान्य या इससे ज्यादा बारिश हो चुकी है। इनमें भोपाल, राजगढ़, बुरहानपुर, खरगोन, ग्वालियर, शिवपुरी, गुना, छतरपुर, निवाड़ी, मैहर, भिंड, श्योपुर, सिंगरौली, सीधी, सतना, मऊगंज, शहडोल और उमरिया शामिल हैं। इंदौर, उज्जैन, जबलपुर समेत 37 जिलों में कम बारिश हुई है। आलीराजपुर में तो सामान्य की आधी बारिश ही हुई है जबकि निवाड़ी में 54% पानी ज्यादा गिर चुका है। इससे पहले गुरुवार दोपहर में भोपाल, सीहोर और देवास जिलों में तेज बारिश रिकॉर्ड की गई। भोपाल-इंदौर रोड पर सोनकच्छ में कुछ देर के लिए अंधेरा छा गया। इससे हेडलाइट जलाकर गाड़ियां चलानी पड़ीं। ग्वालियर में दिनभर की उमस भरी गर्मी से लोगों को राहत मिली। शाम को झमाझम बारिश ने शहर का मौसम सुहाना कर दिया।

डॉक्टर बोले- प्लास्टिक सर्जरी करना पड़ सकती है

कुत्ते ने 6 साल की बच्ची को काटा, नाक लटकी, मासूम के चेहरे पर भी निशान

ब्रह्मास्त्र ▸▸ खरगोन

खरगोन जिले के बमनाला में गुरुवार शाम घर के आंगन में खेल रही एक बच्ची पर कुत्ते ने हमला कर दिया। उसके चेहरे और नाक को नोच दिया, जिससे नाक लटक गई। मुंह और चेहरे पर गहरे घाव हो गए। परिजन ने बताया कि माहिरा को कुत्ते के मुंह से बड़ी मुश्किल से बचाया गया।

जानकारी के मुताबिक, गोकुल नाथ की छह वर्षीय बेटी माहिरा आंगन में खेल रही थी। परिजन घर के अंदर थे। बच्ची के चीखने की आवाज सुनकर परिजन बाहर आए। वे उसे स्थानीय अस्पताल लेकर पहुंचे। प्राथमिक इलाज के बाद बच्ची को जिला अस्पताल लाया गया। डॉक्टरों ने बच्ची की नाक पर 4 टांके लगाए और उसे ढक्ढव में भर्ती किया। उसे रेबीज और एंटीबायोटिक दवाएं दी हैं। डॉक्टरों के अनुसार, चेहरे और नाक पर चोट होने के कारण उसे प्लास्टिक सर्जरी की जरूरत पड़ सकती है।

डॉ. शशिकांत पाटीदार ने बताया कि नाक के आसपास की चमड़ी का एक हिस्सा लटक गया था, जिस पर टांके लगाए गए हैं।

प्लास्टिक सर्जरी के लिए इंदौर भेजा जाएगा

नाक के अंदरूनी हिस्से में आगे प्लास्टिक सर्जरी की जरूरत होगी, जिसके लिए उसे इंदौर रेफर किया जाएगा। माहिरा के परिजन मजदूरी करते हैं। ऐसे में उन्होंने बच्ची को इंदौर ले जाने में असमर्थता जताई है।

7 माह के बच्चे को सांप ने 2 बार डसा, मौत

पहली बार रोया तो मां ने दूध पिलाकर सुलाया; दूसरी बार डसने पर पता चला

ब्रह्मास्त्र ▸▸ नीमच

मध्यप्रदेश के नीमच में मां के पास सो रहे 7 महीने के बच्चे को जहरीले सांप ने दो बार डस लिया। बच्चा पहली बार रोया तो मां ने इसे सामान्य रोना समझकर दूध पिलाया और सुला दिया। दूसरी बार बच्चे के रोने पर सांप वहां से जाने लगा और मां के हाथ से टकराया। तब उसे घर में सांप होने और बच्चे को डसने का पता चला। घटना मंगलवार (15 सितंबर) तड़के करीब 5 बजे की है। सुठोली रामनगर निवासी श्यामलाल बंजारा का बेटा दिव्यांश अपनी मां के साथ बिस्तर पर सो रहा था। सांप के दूसरी बार डसने के बाद बच्चे की हालत गंभीर हो गई। परिजन उसे जिला अस्पताल ले गए, जहां इलाज के दौरान दोपहर करीब 3 बजे उसकी मौत हो गई। पुलिस चौकी की टीम को सूचना मिलने पर बच्चे का पोस्टमार्टम कराया गया। गुरुवार शाम शव परिजन को सौंप दिया गया।

ट्रॉली चोरी करने वाले 3 आरोपी गिरफ्तार

मैहर। मैहर कोतवाली पुलिस ने ट्रैक्टर एजेंसी के बाहर से नई ट्रॉली चोरी करने वाले गिरोह का खुलासा किया है। पुलिस ने गुरुवार शाम तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया। आरोपियों के पास से चोरी की ट्रॉली और वारदात में इस्तेमाल ट्रैक्टर बरामद किया गया है। दोनों की कुल कीमत करीब 8 लाख रुपए बताई गई है।

मिलीभगत की जांच जारी रख सकेगा सीसीआई

ब्रह्मास्त्र ▸▸ जबलपुर

एमपी में देशी शराब की थोक सप्लाई के टेंडरों में डिस्टिलरीज के बीच मिलीभगत और टेंडर फिक्सिंग की जांच अब भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग जारी रख सकेगा। हाईकोर्ट जबलपुर ने एसोसिएटेड अल्कोहल्स एंड बेवरेजेस लिमिटेड समेत अन्य डिस्टिलरीज की याचिकाएं खारिज कर दी हैं। इसके साथ ही उउक की जांच पर लगी अंतरिम रोक भी हटा दी गई है। अब आयोग जांच प्रक्रिया आगे बढ़ाकर अंतिम आदेश जारी कर सकेगा। हाईकोर्ट के जस्टिस विवेक रूसिया और जस्टिस प्रदीप मित्तल की पीठ ने गुरुवार को यह फैसला सुनाया। पूरा मामला भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की वर्ष 2016-17 की ऑडिट रिपोर्ट के बाद सामने आया था।

नियमितीकरण और नौकरी में स्थायित्व की मांग को लेकर मध्यप्रदेश के अतिथि विद्वानों का आंदोलन

अतिथि विद्वानों ने रोका शिवराज का काफिला, मंत्री परमार के बंगले के बाहर धरना

ब्रह्मास्त्र ▸▸ भोपाल

नियमितीकरण और नौकरी में स्थायित्व की मांग को लेकर मध्यप्रदेश के अतिथि विद्वानों का आंदोलन राजधानी भोपाल में तेज हो गया है। उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार के भोपाल स्थित आवास के बाहर मंगलवार से धरने पर बैठे करीब 200 अतिथि विद्वानों ने बुधवार सुबह वहां से गुजर रहे केंद्रीय कृषि मंत्री एवं पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का काफिला रोक लिया। प्रदर्शनकारियों ने उन्हें अपनी मांगों का ज्ञापन सौंपते हुए 11 सितंबर 2023 को दिए गए आश्वासनों की याद दिलाई।

इससे पहले बुधवार सुबह उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार ने अतिथि विद्वानों के चार प्रतिनिधियों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। हालांकि, उपलब्ध रिपोर्टों के अनुसार मंत्री ने फॉलन आउट प्रक्रिया वापस लेने पर सहमति नहीं दी। इसके बाद अतिथि विद्वानों ने अपना धरना जारी रखा। अतिथि विद्वानों की मुख्य मांग है कि नियमितीकरण और स्थायित्व के लिए सरकार निश्चित समयसीमा में नीति बनाए और जब तक यह नीति लागू नहीं होती, तब तक फॉलन आउट प्रक्रिया पर रोक लगाई जाए।

क्या है फॉलन आउट प्रक्रिया?

शासकीय महाविद्यालय में किसी पद पर नियमित सहायक प्राध्यापक की नियुक्ति या स्थानांतरण होने पर वहां कार्यरत अतिथि विद्वान की सेवा समाप्त हो जाती है। अतिथि विद्वान इसी व्यवस्था को ह्यफॉलन आउटह्न कहते हैं और इसे नौकरी की अनिश्चितता से जोड़कर तत्काल रोकने की मांग कर रहे हैं।

2023 के आश्वासन का हवाला

प्रदर्शनकारियों ने शिवराज सिंह चौहान को 11 सितंबर 2023 की अतिथि विद्वान महापंचायत में दिए गए कथित आश्वासन की याद दिलाई। उनका कहना है कि उस समय फॉलन आउट प्रक्रिया रोकने और अतिथि विद्वानों के भविष्य को सुरक्षित करने की बात कही गई थी। बुधवार को चौहान के सामने भी उन्होंने इसी मुद्दे को प्रमुखता से रखा। एक रिपोर्ट के अनुसार चौहान ने कहा कि एक मुख्यमंत्री द्वारा की गई घोषणा को अगले मुख्यमंत्री को पूरा करना चाहिए और उन्होंने उनकी बात सरकार तक पहुंचाने का भरोसा दिया।

2026 में भी नीति का भरोसा

अतिथि विद्वान अपने मांग पत्र में 10 जुलाई 2026 को भोपाल के रविंद्र भवन में आयोजित सम्मेलन का भी उल्लेख कर रहे हैं। उनके अनुसार, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार की मौजूदगी में नियमितीकरण एवं स्थायित्व के लिए नीति बनाने की बात कही गई थी। प्रदर्शनकारियों का दावा है कि सरकार की ओर से हरियाणा मॉडल से बेहतर नीति बनाने की बात भी कही गई थी।

रक्षाबंधन पर मुख्यमंत्री से भी रखी थी मांग

अतिथि विद्वानों के अनुसार 28 अगस्त 2026 को रक्षाबंधन के अवसर पर उज्जैन में मुख्यमंत्री आवास पहुंची अतिथि विद्वान महिलाओं ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को रक्षा सूत्र बांधकर मांग रखी थी कि नियमितीकरण और स्थायित्व की नीति बनने तक फॉलन आउट प्रक्रिया रोकी जाए। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि उस समय भी उन्हें प्रक्रिया रोकने का आश्वासन मिला था।

दो प्रमुख मांगों पर अड़े अतिथि विद्वान

अतिथि विद्वानों के मांग पत्र में मुख्य रूप से दो मांगें हैं– 1. नियमितीकरण एवं स्थायित्व के लिए नीति बनाने की निश्चित समयावधि तय की जाए। 2. जब तक नीति लागू नहीं होती, तब तक फॉलन आउट प्रक्रिया बंद रखी जाए। अतिथि विद्वानों का कहना है कि वे वर्षों से उच्च शिक्षा व्यवस्था में सेवाएं दे रहे हैं और उनके लिए रोजगार की निरंतरता तथा भविष्य की सुरक्षा महत्वपूर्ण मुद्दा है।

अन्य मुद्दों पर भी राजधानी में प्रदर्शन

भोपाल में इन दिनों विभिन्न वर्गों के कर्मचारी और अभ्यर्थी अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं। उपलब्ध रिपोर्टों के अनुसार शिक्षक भर्ती में पद बढ़ाने और दूसरी काउंसलिंग की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थियों ने भी शिवराज सिंह चौहान का काफिला रोककर ज्ञापन सौंपा था। वहीं, वर्ग-2 और वर्ग-3 के अभ्यर्थियों ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के काफिले के सामने पदवृद्धि की मांग रखी थी। रायसेन जिले के सांची में बांके बिहारी कॉलोनी के रहवासियों ने भी शिवराज सिंह चौहान के सामने सड़क, नाली, पेयजल और बिजली जैसी मूलभूत सुविधाओं से जुड़ी समस्याएं रखीं।

अंबानी परिवार के गणेशोत्सव में पहुंचे शाहरुख खान और रणवीर सिंह

मुंबई में अंबानी परिवार के घर 'एंटीलिया' में आयोजित गणेशोत्सव में शामिल होने शाहरुख खान और रणवीर सिंह पहुंचे।इसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है। इस वीडियो में शाहरुख और रणवीर एक साथ गणपति की आरती करते नजर आ रहे हैं। दोनों एक्टर्स नीता अंबानी के साथ खड़े होकर पूजा-अर्चना में शामिल हुए। वीडियो में रणवीर सिंह सफेद रंग के कुर्ते-पायजामे में नजर आ रहे हैं। वहीं शाहरुख खान भी फेस्टिवल के हिसाब से सफेद शर्ट और ब्लैक ट्राउजर पहना। नीता अंबानी पारंपरिक परिधान में दोनों अभिनेताओं के पास खड़ी होकर प्रार्थना करती दिख रही हैं। वहीं शाहरुख खान के एंटीलिया में अंदर जाने या पैपराजी के सामने पोज देने का कोई वीडियो सामने नहीं आया है। वो सीधे गणेश पंडाल में नीता अंबानी के साथ स्पॉट हुए।

नीता और मुकेश अंबानी का यह धार्मिक आयोजन हर साल की तरह इस बार भी कई फिल्मी सितारे पहुंचे। इस लिस्ट में सलमान खान, कटरीना कैफ, विक्की कौशल, रणबीर कपूर, आलिया भट्ट, रितेश देशमुख और जेनेलिया देशमुख का नाम शामिल है। इनके अलावा माधुरी दीक्षित, डॉ. श्रीराम नेने, कृति सेनन, करण जौहर, रेखा और खुशी कपूर भी बाप्पा का आशीर्वाद लेने पहुंचे।

मूर्ति के स्वागत के दौरान एंटीलिया गेंदे के फूलों, शानदार लाइटिंग और त्योहारों वाली सजावट से जगमगा उठा। सामने आए वीडियो और तस्वीरों में घर के अंदर और बाहर हो रहे जश्न की झलक दिखी। इस मौके पर नीता अंबानी, राधिका मर्चेंट, अनंत अंबानी और मुकेश अंबानी गणपति बप्पा का स्वागत करते नजर आए।

सलमान का मजाक उड़ाते दिखे सोनू निगम, अब दी सफाई:

वायरल क्लिप को कहा फर्जी, बोले- मैं पाकिस्तानी बच्ची की सिंगिंग देखकर रो पड़ा था

बॉलीवुड सिंगर सोनू निगम का एक एडिटेड वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें वे टीवी पर 'मैं हूं हीरो तेरा' गाना गा रहे सलमान खान की गायकी का मजाक उड़ाते दिख रहे हैं।

इस क्लिप में सोनू सिर पकड़ते और कहते नजर आ रहे हैं कि ऐसी सिंगिंग सुनकर वे रो पड़ेंगे। वीडियो पर विवाद बढ़ता देख सोनू निगम ने खुद इंस्टाग्राम पर पोस्ट शेयर करके इस वायरल वीडियो का सच सामने रखा है।

उन्होंने साफ किया कि इंटरनेट पर कुछ भी दिखाया जा सकता है और यह वीडियो एडिट करके बनाया गया है। असल में वे किसी का मजाक नहीं उड़ा रहे थे, बल्कि एक पाकिस्तानी बच्ची की गायकी से प्रभावित होकर रो पड़े थे।

पाकिस्तानी बच्ची हादिया हाशमी के लिए था ओरिजिनल वीडियो

सोनू निगम ने स्पष्ट किया कि जिस वीडियो को सलमान खान से जोड़कर शेयर किया जा रहा है, वह साल 2020 का है। उस समय एक्टर जावेद जाफरी ने सोनू को नेसकैफे बेसमेंट के गाने 'बोल हू' का एक वीडियो भेजा था, जिसमें छोटी बच्ची हादिया हाशमी ने आलाप गाया था।

हादिया की गायकी सुनकर सोनू इतने भावुक हो गए थे कि उनकी आंखों में आंसू आ गए थे। उसी दौरान उन्होंने बच्ची की तारीफ में एक वीडियो बनाकर शेयर किया था। अब कुछ लोगों ने उस पुराने वीडियो को सलमान खान के टीवी पर दिए परफॉर्मेंस के साथ एडिट करके वायरल कर दिया।

स्वरा भास्कर बोलीं- 'राम जन्मभूमि फैसले से दुखी हुई थीं'

एक्ट्रेस स्वरा भास्कर ने हाल ही में कहा कि साल 2019 के अयोध्या राम जन्मभूमि-बाबरी मस्जिद मामले में सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद वो बहुत दुखी थीं। स्वरा ने बताया कि फैसले के बाद उन्होंने अपने मोबाइल पर मौजूद मुस्लिम कॉन्टेक्ट्स को मैसेज कर माफी मांगी थी।

दरअसल, द मिडनाइट आवर को दिए इंटरव्यू में स्वरा भास्कर और फहाद अहमद ने अपनी लव स्टोरी पर बात की। दोनों की लव स्टोरी की शुरूआत एक प्रोटेस्ट से हुई थी, जहां दोनों पहली बार मिले थे।

इसके बाद दोनों लगातार सामाजिक और राजनीतिक मुद्दों पर साथ काम करने लगे। स्वरा ने बताया कि फहाद का काम करने का तरीका उन्हें काफी पसंद आया।

इंटरव्यू में स्वरा भास्कर ने कहा, और फिर राम जन्मभूमि का मुद्दा आया। जब इस मामले में फैसला आया था। मुझे लगता है कि वह भी एक बहुत बड़ा मुद्दा था। उस फैसले से मैं बहुत दुखी थी। मैं सोच रही थी कि यह कैसा देश है और ऐसा फैसला कैसे आ सकता है? उन्होंने आगे कहा, मैं उस फैसले से बहुत परेशान थी, क्योंकि मुझे लगा कि यह बहुत गलत और अन्यायपूर्ण था। इसलिए मैंने अपने फोनबुक पर मौजूद अपने सभी मुस्लिम लोगों को मैसेज किया। आमिर खान, शाहरुख खान और सलमान सर से लेकर फहाद अहमद तक, मैंने सभी को मैसेज किया।

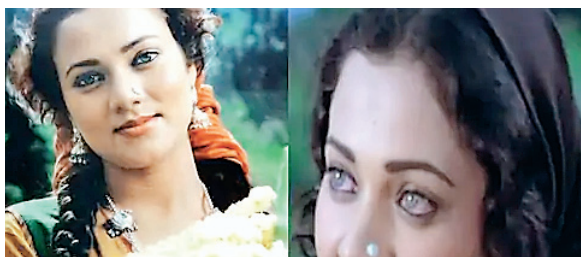

मंदाकिनी ने दाऊद इब्राहिम संग तस्वीर पर सफाई दी

एक्ट्रेस मंदाकिनी ने दाऊद इब्राहिम के साथ वायरल हुई अपनी 80-90 के दशक की पुरानी तस्वीर पर सफाई दी है। उन्होंने कहा कि दाऊद ने उन्हें शारजाह क्रिकेट मैच के लिए नहीं बुलाया था। मंदाकिनी के मुताबिक, वह एक शो के लिए दुबई गई थीं। इसके बाद क्रिकेट मैच देखने पहुंचीं, जहां यह तस्वीर ली गई थी। उस समय उन्हें नहीं पता था कि तस्वीर विवाद का कारण बनेगी। मंदाकिनी ने दिए इंटरव्यू में कहा कि तस्वीर को लेकर हुई अटकलों और खबरों पर उनका कोई नियंत्रण नहीं था। एक्ट्रेस ने कहा कि एक कलाकार कई लोगों से मिलता है। कलाकार किसी के साथ भेदभाव नहीं करता। उन्होंने कहा, लोग जो लिखना या कहना चाहते हैं, उस पर हमारा नियंत्रण नहीं होता। एक कलाकार को हजारों लोगों से मिलना पड़ता है और सभी उसके लिए बराबर होते हैं।

मंदाकिनी ने कहा, हमारे साथ बहुत सारे लोग थे। ऐसे में किसे चुनें और किसे न चुनें? हम वहां एक शो के लिए गए थे। मुझे दाऊद ने नहीं बुलाया था। मैं दुबई में एक शो के लिए गई थी और फिर मैच देखने पहुंची। उस समय मुझे इसका अंदाजा नहीं था। मंदाकिनी ने बताया कि बाद में यह तस्वीर विवाद का विषय बन गई। इसे लेकर बड़े स्तर पर अटकलें लगाई गईं। उन्होंने कहा, ह्लइस विवाद से बहुत नुकसान हुआ। बाद में मुझे पता चला कि इन सभी चीजों को संभालने के लिए एक टीम होनी चाहिए। मैंने हर जगह इन अफवाहों का खंडन किया।

मंदाकिनी ने स्तनपान के सीन पर सफाई दी

मंदाकिनी ने फिल्म के चर्चित स्तनपान वाले सीन पर भी सफाई दी। उन्होंने कहा कि इसमें वास्तव में स्तनपान नहीं कराया गया था और कैमरे की पोजिशनिंग के जरिए ऐसा सीन बनाया गया था। उन्होंने कहा, ह्लनहीं, वहां कोई स्तनपान नहीं था। उन्होंने इसे बहुत अच्छे तरीके से फिल्माया था। मेरे लिए अब समझाना मुश्किल है, लेकिन अगर मैं बताऊंगी कि इसे कैसे किया गया था, तो आप समझ जाएंगे। अभिनेत्री ने बताया कि सीन में उनके पास एक बच्चा था, जिसे उन्होंने कसकर पकड़ा हुआ था। उन्होंने कहा, ह्लहां, मेरे पास बच्चा था और मैंने उसे कसकर पकड़ा था, लेकिन वह स्तनपान नहीं था। मैं यही सबको बताना चाहती हूं। मंदाकिनी के मुताबिक, उन्होंने लो-कट आउटफिट पहना था और बच्चे को शरीर के करीब रखा था। कैमरे के एंगल की वजह से ऐसा लगा कि मां अपने बच्चे को स्तनपान करा रही है। उन्होंने कहा कि सीन का उद्देश्य मां और बच्चे के रिश्ते को दिखाना था, जिसे बाद में अलग तरह से समझा गया।

जासूस बनिए....अंतर ढूंढो...

रंग भरकर चित्र बनाओ

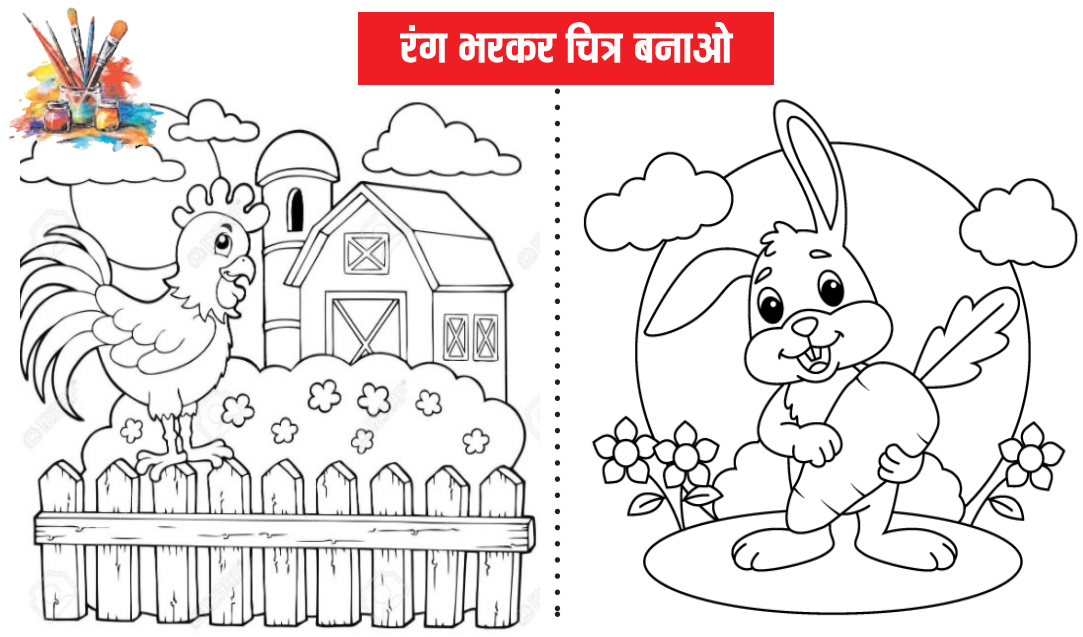

जोक्स

भिखारी: भाई एक रुपया दे दो,
तीन दिन से भूखा हूँ।
राहगीर: तीन दिन से भूखा है,
तो एक रुपये का क्या करेगा?
भिखारी: वजन देखना
है कि कितना घटा है!

टीचर: अपने पापा का नाम
अंग्रेजी में बोलो?
स्टूडेंट: ब्यूटिफुल रेड अंडरवियर!
टीचर: क्या बकवास है
हिंदी में बताओ?
स्टूडेंट: सुंदर लाल चड्डा...

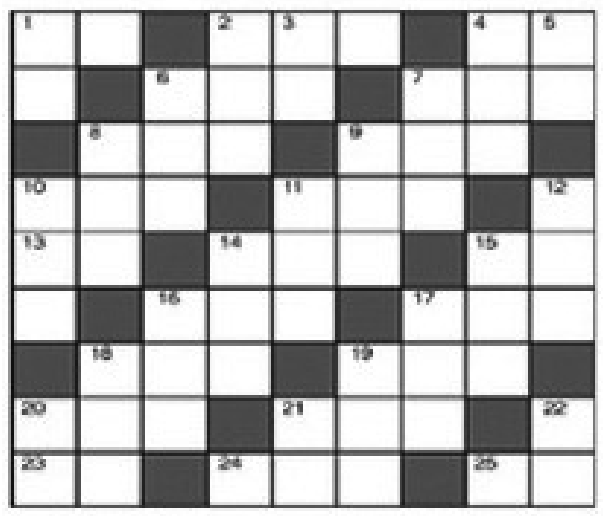

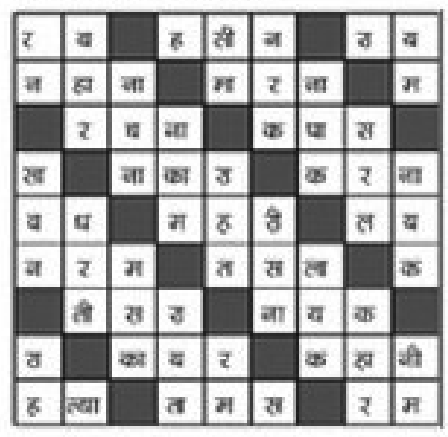

वर्ग पहेली

बाएं से दाएं

1. दर्द से निकली कराह-2
2. ओट, चिलमन-3
4. जरा, थोड़ा-2
6. कपड़े की दीवार-3
7. निर्माण-3
8. झगड़ा, अनबन-3
9. गहन-3
10. लाज, लज्जा-3
11. रनिवास-3
13. 500 कागजों की गड्डी-2
14. विश्राम, राहत-3
15. थोड़ा-2
16. एक कीमती लकड़ी-3
17. कैनाल, उपनदी-3
18. बूंद-3
19. मृत्युंजय-3
20. मेघ, बदरा-3
21. सम्राट, राजा-3
23. संपत्ति-2
24. विष, गरल-3
25. औषधि-2

ऊपर से नीचे

1. अग्नि, अनल-2
2. आश्रय, शरण-2
3. लीन, मगन-2
4. कूड़ा-कर्कट-3
5. इकार-2
6. लेखनी, पेन-3
7. करुणा, दया-3
8. कर्म, भाग्य-3
9. उष्ण-3
10. भद्र, कुलीन-3
11. अवैध, नाजायज-3
12. युद्ध, रण-3
14. आश्रय-3
15. जलजला-3
16. ठंडा-3
17. नमस्कार, प्रणाम-3
18. कद्र, मान-3
19. जो कभी वृद्ध न हो-3
20. चील, ईगल-2
21. पथ, मार्ग-2
22. इस पर रोटी सेंकते हैं-2

माथा पच्ची

60		28		6		24	=	14
40		20		5		10	=	65
20		4		20		4	=	15
60		6		2		10	=	30
=		=		=		=		=
20		6		20		20	=	34/34

संकेत

खाली जगहों में आपको केवल (+), (-), (×) व (÷) के निशान लगाने हैं, जिनका उत्तर (=) पूर्णत: मेल खाता हो.

शब्दों का जाल

कृ	श	मु	श	सी	क	हो	ना	प्या	र	है
प	फि	ल	आ	तु	म	आ	गो	आ	ह	म
य	के	या	है	नि	ल	आ	न	व	टि	रू
ई	ट	दें	न	शा	या	क्ष	क	ते	ज	क
प	दा	ह	मी	ने	तो	हो	व	जो	भी	त
को	स	क	प	श	स	ए	व	खु	वों	व
द	ई	व	न	जी	न	ह	शी	जो	ली	द
क	र	मि	प	क्ता	प	क	र	यो	आ	ख
र	य	त	ल	रा	भी	त	स्मी	अ	शा	अ
क	र	ल	प	ग	ज	ता	रे	र	ह	द
क	ह	रि	म	श	या	पि	मु	झी	फि	जा

शब्दजाल में ऋतिक रोशन की 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. शब्द ऊपर से नीचे, दाएं से बाएं एव तिरछे हो सकते हैं.

कृष, कोई मिल गया, कभी खुशी कभी गम, फिजा, कहो ना प्यार है, मीशन कश्मीर, यादें, ना तुम जानो ना हम, लक्ष्य, आशा.

अष्टयोग

7		3			2	
	31		31		28	2
4		1		3		
5	28	6	31		39	3
		4			7	
3	29		32	7	40	5
	3	2	4		7	1

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक लिखना अनिवार्य है. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों ओर के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

माथा पच्ची का हल

45	-	3	+	61	-	10	=	66
+		+		-		x		+
20	x	5	-	51	-	25	=	24
+		+		-		+		+
50	-	40	+	10	+	25	=	45
-		-		+		+		-
70	+	18	+	27	-	40	=	75
=		=		=		=		=
45	+	30	+	27	-	50	=	

अष्टयोग का हल

6	3	2	4	5	7	1
2	27	7	32	4	34	2
4	2	1	6	3	5	7
5	28	6	31	6	39	3
1	5	4	3	2	7	6
3	33	5	31	7	34	5
7	5	3	6	1	2	4

शब्दजाल का हल

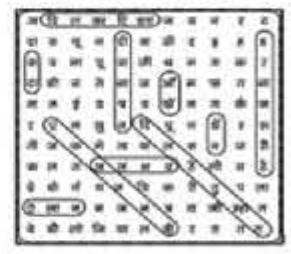

सूडोकू बवाल-

★★★★☆ मध्यम

4			9		6	1		8
6	8							
	1	7	3	8		4		
3	4		6		7			9
5		1	8			2		7
2			5		1		8	4
		3		7	5	8	6	
							9	5
7		6	2		8			1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकू बवाल का हल

2	9	8	3	5	6	1	7	4
4	5	3	2	1	7	9	8	6
7	1	6	4	8	9	2	5	3
8	2	5	6	9	1	3	4	7
3	6	4	7	2	5	8	1	9
1	7	9	8	3	4	5	6	2
5	4	1	9	7	2	6	3	8
6	3	2	1	4	8	7	9	5
9	8	7	5	6	3	4	2	1

रिपोर्ट- ट्रम्प-जिनपिंग की मुलाकात से पहले ताइवान में डर

ट्रम्प और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की 24 सितंबर को होने वाली मुलाकात से पहले ताइवान में डर बढ़ गया है। ताइवान को आशंका है कि चीन के साथ कोई बड़ा आर्थिक समझौता करने के लिए ट्रम्प उसके मुद्दे पर नरम रुख अपना सकते हैं। जापान और साउथ कोरिया समेत अमेरिका के सहयोगी देशों को भी यही चिंता सता रही है। रॉयटर्स के मुताबिक, ट्रम्प ने मई में ताइवान को अमेरिकी हथियारों की बिक्री को चीन से डील के लिए ह्यसौदेबाजी का जरियाह्न बताया था। अब जिनपिंग फिर ताइवान का मुद्दा ट्रम्प के सामने उठा सकते हैं। ऐसे में ताइवान को डर है कि ट्रम्प चीन से कोई बड़ी डील निकालने के चक्कर में कहीं उसके मुद्दे पर पीछे न हट जाएं। अमेरिका के किसी नरम बयान से भी बीजिंग को ताइवान पर दबाव बढ़ाने का हौसला मिल सकता है।

पहले ताइवान का मामला समझिए

ताइवान चीन के करीब स्थित एक द्वीप है। वहां अपनी सरकार है और लोग अपने नेताओं को चुनाव के जरिए चुनते हैं। ताइवान खुद को अलग तरीके से चलाता है, लेकिन चीन उसे अपना हिस्सा मानता है। चीन चाहता है कि ताइवान एक दिन उसके साथ मिल जाए। बीजिंग ने यह भी साफ कर रखा है कि जरूरत पड़ी तो वह इसके लिए सैन्य ताकत का इस्तेमाल कर सकता है।

दूसरी तरफ, अमेरिका ताइवान को हथियार देता है ताकि वह अपनी सुरक्षा कर सके। लेकिन अमेरिका ने यह साफ नहीं किया है कि अगर चीन ताइवान पर हमला करता है, तो अमेरिकी सेना सीधे उसकी मदद के लिए युद्ध में उतरेगी या नहीं। यही वजह है कि ताइवान को लेकर अमेरिका का रुख हमेशा से थोड़ा अस्पष्ट रहा है। वॉशिंगटन चीन को खुलकर चुनौती भी नहीं देता और ताइवान को अकेला भी नहीं छोड़ता।

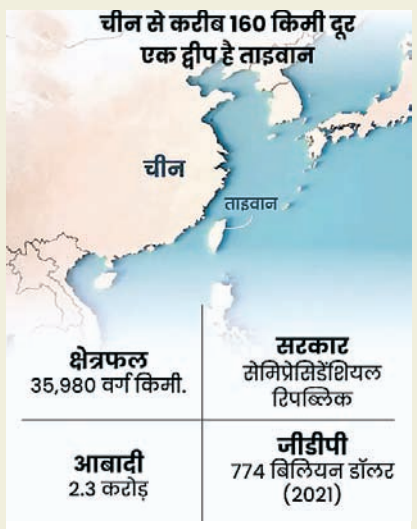

जापान को किस बात की चिंता है?

ताइवान को लेकर सिर्फ वहां की सरकार ही चिंतित नहीं है। जापान भी ट्रम्प-शी की बैठक को करीब से देख रहा है। रॉयटर्स के मुताबिक, जापान चाहता है कि अमेरिका ताइवान को लेकर अब तक इस्तेमाल की जाने वाली कूटनीतिक भाषा पर कायम रहे। टोक्यो यह भी चाहता है कि बैठक में ताइवान का मुद्दा इतना न छाए कि दोनों देशों के रिश्तों में तनाव और बढ़ जाए। जापान के दो सीनियर नेताओं ने रॉयटर्स को बताया कि उनकी सबसे बड़ी चिंता यह है कि ट्रम्प चीन से अमेरिकी सामान खरीदने का बड़ा समझौता हासिल करने के बदले ताइवान के मामले में कोई रियायत न दे दें। अमेरिका में अगले साल मिडटर्म चुनाव होने हैं। ऐसे में चीन के साथ बड़ा कारोबारी समझौता ट्रम्प के लिए घरेलू राजनीति में भी अहम हो सकता है। बैठक से पहले ताइवान सरकार लगातार अमेरिका के सामने अपना पक्ष रख रही है। ताइवान के सीनियर अधिकारी शेन यू-चुंग ने कहा कि उनकी उम्मीद है कि ऐसा कोई फैसला नहीं होगा जिससे ताइवान को नुकसान पहुंचे।

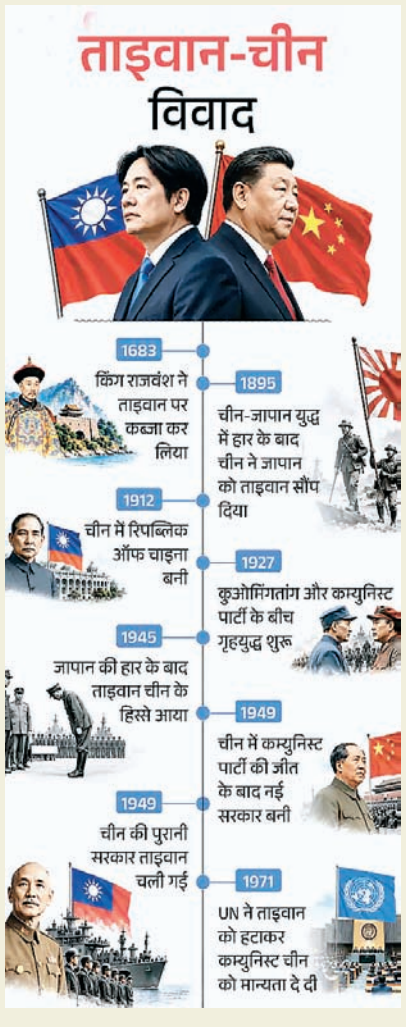

ईरान में अमेरिकी हमला युद्ध अपराध हो सकता है

गर्ल्स स्कूल पर हमले का जिक्र, अब ट्रम्प की जवाबदेही पर सवाल

ब्रह्मास्त्र ›› वाशिंगटन

ईरान पर फरवरी में हुए अमेरिका हमलों को लेकर यूएन की जांच रिपोर्ट गुरुवार को सामने आई। यूएन की स्वतंत्र जांच टीम ने कहा कि उसके पास यह मानने की पर्याप्त वजह है कि मिनाब के गर्ल्स स्कूल और एक स्पोर्ट्स सेंटर पर हमले अमेरिकी सेना ने किए थे। रिपोर्ट के मुताबिक, दोनों हमले अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत युद्ध अपराध हो सकते हैं।

रूस-यूक्रेन युद्ध में भी रूसी राष्ट्रपति पुतिन पर युद्ध अपराध के आरोप लगे थे। इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट ने 2023 में उनके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया था। अब यूएन की रिपोर्ट के बाद ट्रम्प की किसी तरह की व्यक्तिगत जिम्मेदारी को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं।

ईरान में अमेरिका के 2 हमलों की यूएन ने जांच की

यूएन की फैक्ट-फाइंडिंग टीम ने मिनाब शहर के शाजारेह तैयबेह प्राइमरी स्कूल पर हुए हमले की जांच की। ईरानी अधिकारियों के मुताबिक, इस हमले में 150 से ज्यादा लोग मारे गए थे। इनमें करीब 120 स्कूली बच्चे थे। जांच टीम के मुताबिक, स्कूल एक नागरिक इमारत थी। उसे सैन्य काम के लिए इस्तेमाल किए जाने का कोई सबूत नहीं मिला। अमेरिकी सेना के पास खुफिया जानकारी थी कि ईरान का एक सीनियर सैन्य कमांडर स्कूल में मौजूद हो सकता है।

स्पोर्ट्स सेंटर पर हमले में 22 नागरिक मारे गए

यूएन रिपोर्ट में ईरान के लामेर्द शहर के एक स्पोर्ट्स सेंटर पर हुए दूसरे हमले की भी जांच की गई। हमले से आसपास की रिहायशी इमारतों और एक स्कूल को नुकसान पहुंचा। इसमें 22 नागरिक मारे गए। यूएन टीम ने इस हमले को भी अंधाधुंध हमला माना और इसे युद्ध अपराध बताया। हालांकि, अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने मार्च में कहा था कि अमेरिकी सेना ने उस दिन लामेर्द शहर में कोई हमला नहीं किया था।

यूएन की रिपोर्ट के बाद अब क्या होगा?

रिपोर्ट अभी किसी अदालत का फैसला नहीं है। इसे यूएन मानवाधिकार परिषद में रखा जाएगा। इसके बाद आगे जांच और कार्रवाई की मांग उठ सकती है। अमेरिका से भी पूछा जा सकता है कि स्कूल को सैन्य ठिकाना क्यों माना गया और हमला करने से पहले खुफिया जानकारी की ठीक से जांच क्यों नहीं हुई। आगे की जांच में पता लगाया जाएगा कि हमले का फैसला किसने लिया और किस जानकारी के आधार पर लिया। अगर किसी अधिकारी की गंभीर गलती या जानबूझकर की गई कार्रवाई सामने आती है, तो उसके खिलाफ कार्रवाई या मुकदमा हो सकता है।

क्या ट्रम्प भी जिम्मेदार माने जाएंगे?

यूएन की रिपोर्ट में अमेरिकी सेना पर युद्ध अपराध का आरोप है। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि ट्रम्प भी इसके लिए सीधे जिम्मेदार माने जाएंगे। इसके लिए यह देखना होगा कि ट्रम्प ने हमले का आदेश दिया था या नहीं, उन्हें इसकी जानकारी थी या नहीं और उन्हें हमला रोकने की जानकारी या ताकत थी या नहीं। पहले जांच में हमले के लिए जिम्मेदार सैन्य अधिकारियों की भूमिका सामने आएगी।

ईरान की सरकार पर भी गंभीर आरोप

यूएन की जांच में ईरानी सरकार की कार्रवाई को लेकर भी गंभीर आरोप लगाए गए हैं। जांच टीम के मुताबिक, दिसंबर के आखिर में शुरू हुए सरकार विरोधी प्रदर्शनों को दबाने के दौरान ईरानी अधिकारियों ने गैरकानूनी हत्याएं, मनमानी गिरफ्तारियां और लोगों को जबरन गायब करने जैसी कार्रवाइयां कीं। रिपोर्ट के मुताबिक, सरकार ने प्रदर्शनकारियों की आवाज दबाने के लिए इंटरनेट बंद किया और मौत की सजा का भी इस्तेमाल किया। यूएन टीम ने कहा कि ईरानी अधिकारियों की कार्रवाई आम नागरिकों के खिलाफ व्यापक और सुनियोजित हमले का हिस्सा थी। जांच के मुताबिक, यह मानवता के खिलाफ अपराध की श्रेणी में आ सकता है। रिपोर्ट अभी किसी अदालत का फैसला नहीं है। इसे वठ मानवाधिकार परिषद में रखा जाएगा। इसके बाद आगे जांच और कार्रवाई की मांग उठ सकती है। अमेरिका से भी पूछा जा सकता है कि स्कूल को सैन्य ठिकाना क्यों माना गया और हमला करने से पहले खुफिया जानकारी की ठीक से जांच क्यों नहीं हुई। आगे की जांच में पता लगाया जाएगा कि हमले का फैसला किसने लिया और किस जानकारी के आधार पर लिया। अगर किसी अधिकारी की गंभीर गलती या जानबूझकर की गई कार्रवाई सामने आती है, तो उसके खिलाफ कार्रवाई या मुकदमा हो सकता है।

हिमाचल-उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर में बर्फबारी

ब्रह्मास्त्र ›› नई दिल्ली

देश के कई राज्यों में मानसून सक्रिय है। उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश समेत छह राज्यों में गुरुवार को बारिश का अलर्ट है। हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर में सीजन की पहली बर्फबारी हुई। हिमाचल में गुरुवार सुबह रोहतांग, भरमौर और मनाली के पहाड़ों पर एक से डेढ़ इंच बर्फ गिरी। इन क्षेत्रों में 15 अक्टूबर के आसपास हिमपात होता है, लेकिन इस बार करीब एक महीना पहले बर्फ देखने को मिली है।

जम्मू-कश्मीर के बांदीपोरा जिले की गुरेज घाटी में बर्फबारी हुई है। उत्तराखंड के केदारनाथ, हेमकुंड साहिब और चमोली में भी ओलों के साथ हल्की बर्फ गिरी है। देहरादून में गुरुवार सुबह तेज बारिश हुई। पिथौरागढ़ में आदि कैलाश यात्रा मार्ग पर दोबारा लैंडस्लाइड हुई। उत्तर प्रदेश के बरेली में तूफानी बारिश हुई। किला पुल पर पेड़ टूटकर गिर गया।

जम्मू-कश्मीर की गुरेज घाटी में सीजन की पहली बर्फबारी

जम्मू-कश्मीर के बांदीपोरा जिले की गुरेज घाटी के काबुल गली में सीजन की पहली बर्फबारी हुई है। ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी के बाद तापमान में गिरावट दर्ज की गई और पहाड़ों पर हल्की बर्फ की परत जम गई।

गुरेज घाटी एलओसी के पास स्थित है और यहां सर्दियां लंबे समय तक रहती हैं। ऊंचे इलाकों में सीजन की शुरूआत में ही बर्फबारी होने लगती है। हिमाचल प्रदेश में मानसून की विदाई से पहले ही बर्फबारी देखने को मिली है। आज सुबह तड़के रोहतांग, भरमौर और मनाली के ऊंचे पहाड़ों पर एक से डेढ़ ईंच मोटी बर्फ की चादर बिछी। यह इस सीजन का पहला हिमपात है।

बांग्लादेश में टॉर्च की रोशनी में मरीजों का इलाज

ब्रह्मास्त्र ›› ढाका

बांग्लादेश इस समय 20 साल के सबसे गंभीर बिजली संकट से जूझ रहा है। कई इलाकों में रोजाना घंटों कटौती हो रही है। इंडिया टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक, बारिशाल के एक अस्पताल में बैकअप जनरेटर का डीजल खत्म होने के बाद नर्सों को मोबाइल की टॉर्च की रोशनी में मरीजों की देखभाल करनी पड़ी।

संकट के बीच बांग्लादेश को भारत से भी तत्काल बड़ी राहत मिलने की संभावना कम है, क्योंकि भारत पहले ही उसे 2,656 टह से ज्यादा बिजली दे रहा है और अतिरिक्त बिजली उपलब्ध कराने के लिए भारत को अपनी उत्पादन क्षमता और ट्रांसमिशन व्यवस्था को भी देखना होगा। बांग्लादेश में इस समय 3,000 से 3,500 मेगावाट बिजली कम पड़ रही है। यानी जितनी बिजली चाहिए, उतनी बन ही नहीं पा रही। अगस्त में देश में रोज औसतन करीब 13 हजार मेगावाट बिजली बनी, जबकि जरूरत 16 हजार मेगावाट से ज्यादा थी। यानी हर दिन करीब 3 हजार मेगावाट बिजली की कमी रही। 2022 में भी बांग्लादेश में बिजली का संकट आया था।

किम जोंग की बहन बोली- परमाणु हथियार छोड़ना बेवकूफी

ब्रह्मास्त्र ›› नई दिल्ली

उत्तर कोरिया ने एक बार फिर कहा है कि वह परमाणु हथियार छोड़ने वाला नहीं है। किम जोंग उन की बहन किम यो-जोंग ने गुरुवार को कहा कि उत्तर कोरिया अपने परमाणु हथियार बनाए रखेगा। ये हथियार देश की सुरक्षा के लिए जरूरी हैं। किम यो ने परमाणु हथियार छोड़ने के लिए मनाने की कोशिशों को बेवकूफी भरी बात बताया।

किम यो-जोंग का यह बयान वियना में चल रही अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी की जनरल कॉन्फ्रेंस के दौरान आया। किम यो-जोंग का यह बयान ऐसे समय आया है, जब अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने उत्तर कोरिया के साथ फिर बातचीत शुरू करने की इच्छा जताई है। ट्रम्प अपने पहले कार्यकाल में किम जोंग उन से तीन बार मिल चुके हैं।

ट्रम्प-किम जोंग की मुलाकातें

जून 2018: ट्रम्प और किम जोंग उन की पहली मुलाकात सिंगापुर में हुई थी। यह पहली बार था जब किसी मौजूदा अमेरिकी राष्ट्रपति ने उत्तर कोरिया के नेता से आमने-सामने मुलाकात की। दोनों ने परमाणु हथियारों का खतरा कम करने और रिश्ते सुधारने पर बात की।

फरवरी 2019: वियतनाम के हनोई में दोनों की दूसरी मुलाकात हुई। यहां परमाणु कार्यक्रम और प्रतिबंधों में राहत को लेकर सहमति नहीं बन सकी।

जून 2019: दोनों नेताओं की यह मुलाकात अचानक हुई। ट्रम्प दक्षिण कोरिया के दौरे पर थे और उत्तर-दक्षिण सीमा पर बने डिमिलिटराइज्ड जोन (ऊ्ट) पहुंचे। यहां किम से मुलाकात के दौरान ट्रम्प ने उत्तर कोरिया की जमीन पर भी कदम रखा। वे उत्तर कोरिया की जमीन पर कदम रखने वाले पहले मौजूदा अमेरिकी राष्ट्रपति बने। हालांकि, इस मुलाकात के बाद भी परमाणु मुद्दे पर कोई बड़ा समझौता नहीं हो सका।

उद्धव ठाकरे बोले- दिशा सालियान केस से हमारा लेना-देना नहीं

परिवार को बेवजह बदनाम किया जा रहा

ब्रह्मास्त्र ›› नई दिल्ली

शिवसेना (यूबीटी) के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे ने गुरुवार को कहा कि दिशा सालियान केस को लेकर उनके परिवार को निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा- इस मामले से हमारा दूर-दूर तक संबंध नहीं है।

ठाकरे ने छत्रपति संभाजीनगर में कहा- मेरा भी नाम है। आपका भी नाम आएगा। मोदी और ट्रम्प का भी नाम आ सकता है। आखिर नाम क्यों लिया जा रहा है? यह राजनीतिक उद्देश्य से प्रेरित है। कब तक सहन करते रहेंगे?

उन्होंने कहा- बेवजह चरित्रहनन बहुत हो गया और अगर ये जारी रहा तो मैं बिना किसी से सलाह लिए कानूनी कार्रवाई पर मजबूर हो जाऊंगा।

उद्धव ने कहा कि इस मामले में लगातार नाम घसीटे जा रहे हैं। हम इतने समय तक चुप रहे, क्योंकि सरकार ने खुद इसकी जांच के लिए रक्ळ बनाई थी। हमने उन्हें अपनी जरूरत के हिसाब से जांच करने देने के लिए चुप्पी साधे रखी। उन्होंने कहा- हमने तय किया था कि जांच पूरी होने तक कुछ नहीं बोलेंगे। ठाकरे ने गुस्से में चेतावनी दी कि हमारा इस मामले से कोई लेना-देना नहीं है। उस युवा महिला की जान चली गई।

ठाकरे ने कहा- मैं उन्हें नहीं जानता था। मैं उनसे कभी नहीं मिला। मेरा उनसे या जो कुछ हुआ, उससे कोई संबंध नहीं है। फिर भी मेरा नाम इसमें घसीटा जा रहा है।

दिशा के पिता का आरोप- केस को दबाने की कोशिश की गई

बॉम्बे हाईकोर्ट के निर्देश के बाद दिशा के पिता सतीश सालियान ने कहा था कि दिशा का गैंगरेप और हत्या हुई। मामले को दबाने की कोशिश की गई। उन्होंने आदित्य ठाकरे समेत अन्य लोगों के खिलाफ एफआईआर की मांग की थी। उन्होंने यह भी कहा था- मैं 6 साल से इसका इंतजार कर रहा था।

ट्रम्प ने कनाडा को लेकर यूरोप को धमकी दी:कहा-

ईयू में शामिल किया तो भारी टैरिफ लगाऊंगा, व्यापार भी रोक दूंगा

ब्रह्मास्त्र ›› वाशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने यूरोपीय संघ को गंभीर टैरिफ लगाने की धमकी दी है। ट्रम्प ने कहा अगर यूरोपीय संघ कनाडा को अपना पहला एसोसिएट मेंबर बनाने की योजना पर आगे बढ़ता है तो अमेरिका यूरोप पर बहुत भारी टैरिफ लगा सकता है। जरूरत पड़ने पर यूरोप के साथ व्यापार भी रोक सकता है।

ट्रम्प की धमकी के कुछ ही समय बाद कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने साफ कर दिया कि कनाडा अपनी विदेश नीति और दूसरे देशों के साथ समझौते खुद तय करेगा। यूरोपीय संसद में गुरुवार को भाषण देते हुए कार्नी ने कहा, कोई भी यह तय नहीं करेगा कि हम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर किसके साथ समझौते सकते हैं।

ट्रम्प यूरोपीय संघ के उस प्रस्ताव से नाराज हैं, जिसमें कनाडा को एव का पहला सहयोगी सदस्य बनाने की बात कही गई है। उन्होंने इस प्रस्ताव को हंसी के लायक बताया और इसे एव की तरफ से दुश्मनी भरा कदमतक कहा। ट्रम्प ने पत्रकारों से कहा कि अगर एव का इरादा अच्छा है तो कोई परेशानी नहीं है। लेकिन अगर उसका इरादा खराब हुआ तो यूरोप पर भारी टैरिफ के लिए तैयार रहे।

कार्नी ने गुरुवार को यूरोपीय संसद को संबोधित किया। उन्होंने एव के कनाडा को एसोसिएट मेंबर बनाने के प्रस्ताव का स्वागत किया। कार्नी ने कहा, ह्यूरोप और कनाडा दोनों मजबूत हैं। लेकिन साथ मिलकर यूरोप और कनाडा और भी ज्यादा मजबूत हो जाएंगे। कार्नी ने अपने भाषण में ट्रम्प का नाम नहीं लिया। हालांकि,

उन्होंने अमेरिका की व्यापार नीति की ओर इशारा करते हुए कहा कि टैरिफ के जरिए आर्थिक रिश्तों को हथियार की तरह इस्तेमाल किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सप्लाई चेन और वित्तीय व्यवस्था का इस्तेमाल दबाव बनाने के लिए भी किया जा सकता है।

एव की ओर से यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उसुर्ला फॉन डेर लेयेन ने कहा कि कनाडा को सहयोगी सदस्य बनाने की योजना किसी दूसरे देश के खिलाफ नहीं है।

फ्रांस बोला- अमेरिका ईयू के फैसले नहीं रोक सकता

फ्रांस के यूरोप मंत्री बेंजामिन हदाद ने भी गुरुवार को इस मुद्दे पर बयान दिया। उन्होंने कहा कि अमेरिका एव के भू-राजनीतिक फैसलों को रोक नहीं सकता। हदाद ने कहा, यह फैसला अमेरिका या किसी और देश को नहीं करना है कि यूरोपीय देशों की राजनीतिक दिशा क्या होगी।

क्या कनाडा अब ईयू का मेंबर देश बन जाएगा?

नहीं, ईयू के मौजूदा नियमों के मुताबिक कनाडा को सदस्य बनाना संभव नहीं है क्योंकि वह भौगोलिक रूप से यूरोप का हिस्सा नहीं है। साथ ही, एव में अभी एसोसिएट मेंबर का कोई औपचारिक दर्जा भी नहीं है। अगर ऐसा करना है तो एव को इसके लिए नए नियम बनाने होंगे और कनाडा के साथ इसकी शर्तें तय करनी होंगी।

■ वर्ष-12 अंक-315 मूल्य- 2 रु. मध्यप्रदेश छत्तीसगढ़ गुजरात महाराष्ट्र राजस्थान उत्तरप्रदेश उत्तरांचल मालवा डिवीजन 402/2024-2026 आर एन आई क्रमांक 2013/57651

सुभाषितानि

अनालस्यं ब्रह्मचर्यं शीलं गुरुजनादरः।
स्वावलम्बः दृढाभ्यासः षडेते छात्र सद्गुणाः।।

भावार्थ : उदासीनता, ब्रह्मचर्य, विनय, शिक्षकों के प्रति सम्मान, आत्मनिर्भरता और दृढ़ अभ्यास ये एक छात्र के छह गुण हैं।

यदा यदा हि धर्मस्य ग्लानिर्भवति भारत। अभ्युत्थानमधर्मस्य तदात्मानं सृजाम्यहम्॥

दैनिक ब्रह्मास्त्र

उज्जैन, शुक्रवासरः 18 सितम्बर, 2026

अथार्तुराणां न सुखं न निद्रा कामातुराणां न भयं न लज्जा।
विद्यातुराणां न सुखं न निद्रा क्षुधातुराणां न रुचि न बेला।।

भावार्थ : यानानूर को सुख और नींद नहीं आती; कामतुर को कोई डर और शर्म नहीं है। विद्यातुर के पास रुचि और समय की कोई भावना नहीं है और भूख से पीड़ित व्यक्ति को रुचि या समय की कोई भावना नहीं है।

सम्पादकीयम्

उत्तरदायित्वं सुनिश्चित्य

अस्मिन् सन्दर्भे सीटीओ, सीएफओ इत्यादिषु भूमिकासु विशेषज्ञानाम् नियुक्तिः महत्त्वपूर्णा अस्ति। साइबरसुरक्षा, मनोमापनं, कागदस्य डिजाइनं च सहायार्थं निजीक्षेत्रस्य डोमेनविशेषज्ञाः आनयिष्यन्ति। तेषां अनुभवः सम्पूर्णप्रक्रियायाः उन्नयनार्थं साहाय्यं करिष्यति; तथापि अस्य निपुणतायाः वास्तविकरूपेण उपयोगः कथं भवति इति विषये बहु किमपि निर्भरं भवति। उत्तरदायित्वं सुनिश्चित्य : पुरातनकर्मचारिणः निष्कासनं, नूतनानि नियुक्तयः करणं, गोपनीयतां सुनिश्चित्य उपायान् करणं च आवश्यकाः पदानि सन्ति। तथापि एते एव सुधारस्य गारण्टीं दातुं न शक्नुवन्ति। किन्तु सीबीआई-आरोपपत्रानुसारं नीट्-पत्रस्य लीक-कार्ये विषयविशेषज्ञाः अपि सहभागिनः आसन्। फलतः एजन्सी स्वस्य परिचालनप्रक्रियायाः अपि समीक्षात्मकरूपेण परीक्षणं कर्तव्यम्। अत्यन्तं महत्त्वपूर्णः पक्षः उत्तरदायित्वम् अस्ति, एषः विषयः पूर्वं चर्चा कृता अस्ति। प्रत्येकं चरणे उत्तरदायित्वं स्पष्टतया परिभाषितं भवितुमर्हति-प्रश्नपत्रस्य निर्धारणात आरभ्य परीक्षाकेन्द्राणां निरीक्षणं, परिणामानां घोषणां च। अनियमिताः एते परिवर्तनाः तस्मिन् समये आगताः यदा परीक्षायाः समस्यानां कारणात् एनटीए पुनः एकवारं निरीक्षणस्य अधीनम् अस्ति। केवलं द्वौ दिवसौ पूर्वं एजेन्सी इत्यनेन प्रकाशितं यत् आङ्गलभाषा, वाणिज्यम्, समाजशास्त्रं च इति प्रश्नपत्रेषु पुनः पुनः प्रश्नाः अपि सन्ति इति अनेकाः त्रुटयः सन्ति।

एआइ-जोखिमानां विषये वर्धमानाः चिन्ताः अमेरिका-देशः

नूतनान् नियमान् सज्जीकरोति; शोधकर्तारः मानवजीवनस्य विषये भयंकरं चेतावनीम्

ब्रह्मास्त्र ▸▸ वाशिंगटन

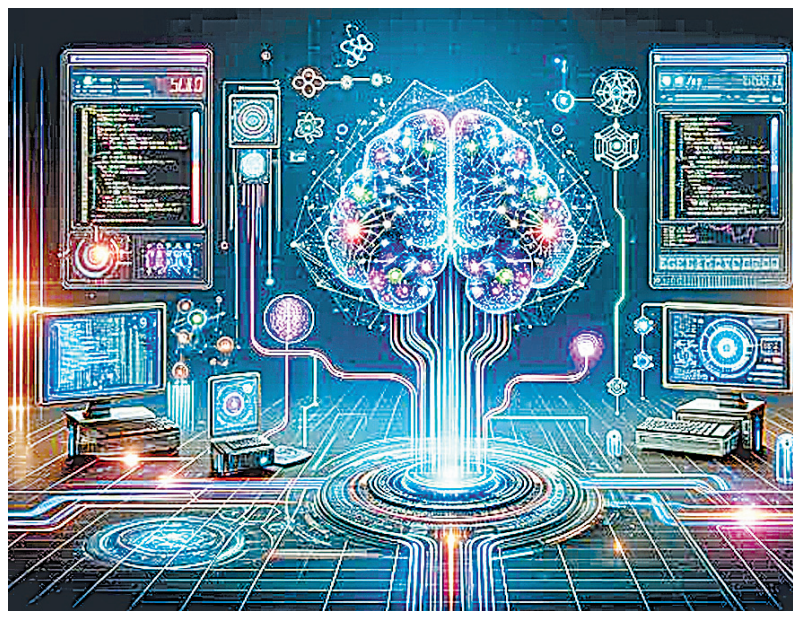

एआइ-जोखिमानां विषये वर्धमानाः चिन्ताः: अमेरिका-देशः नूतनान् नियमान् सज्जीकरोति; शोधकर्तारः मानवजीवनस्य विषये भयंकरं चेतावनीम् अयच्छन्ति

वाशिंगटन। अमेरिकादेशे कृत्रिमबुद्धेः तीव्रगत्या वर्धमानस्य प्रभावस्य सम्भाव्यसंकटानां च विषये वादविवादः पुनः तीव्रः अभवत्। उन्नत एआइ-प्रणालीभिः उत्पद्यमानानां सम्भाव्य-अस्तित्व-जोखिमानां विषये प्रमुख-एआइ-कम्पनीनां शोधकर्तृणां चेतावनीनां अनन्तरं अमेरिकी-विधायकाः प्रौद्योगिक्याः कृते दृढसुरक्षारूपरेखां स्थापयितुं वर्धमानस्य दबावस्य सामनां कुर्वन्ति डेमोक्रेटिक-रिपब्लिकन्-दलयोः विधायकाः अधुना एआइ-विकासस्य निरीक्षणार्थं, तत्सम्बद्धानां गम्भीराणां जोखिमानां निवारणाय च कठोरविनियमानाम् आह्वानं कुर्वन्ति।

चिन्ता एआइ इत्यस्य दुरुपयोगमात्रात् परं विस्तृता अस्ति। सुरक्षाशोधकानां एकः खण्डः एतस्य सम्भावनायाः अपि चर्चां कुर्वन् अस्ति यत् अत्यन्तं समर्थाः भविष्यस्य एआइ-प्रणाल्याः-यदि पर्याप्तनियन्त्रणं सुरक्षां च विना विकसिताः भवन्ति-तर्हि मानवसमाजस्य कृते खतरान् जनयितुं शक्नुवन्ति यस्य प्रबन्धनं अत्यन्तं कठिनं भविष्यति। एषा वादविवादः सर्वकारस्य, टेक-कम्पनीनां च कृते एकं प्रमुखं आव्हानं प्रस्तुतवती अस्ति यत् एआइ-विकासस्य गतिः सुरक्षा च कथं सन्तुलनं स्थापयितव्यम् इति।

मानवसंशोधकानां चेतावनी एन्थ्रोपिक इत्यनेन सह सम्बद्धाः शोधकर्तारः एआइ-सम्बद्धानां सम्भाव्य-अस्तित्व-जोखिमानां विषये गम्भीर-चिन्ताः प्रकटितवन्तः तदा वाद-विवादः नूतनं गतिं प्राप्तवान्। एन्थ्रोपिक-संशोधकस्य जैकब-स्टैनहार्ट्-इत्यस्य त्यागपत्रस्य अनन्तरं एषः विषयः तीक्ष्ण-केन्द्रे आगतः। सः सूचितवान् यत् ए.आइ.क्षेत्रे बहवः व्यावसायिकाः यथार्थतया मन्यन्ते यत्, आगामिषु वर्षेषु, एषा प्रौद्योगिकी मानवतायाः अस्तित्वाय गम्भीरं खतराम् उत्पन्नं कर्तुं शक्नोति।

एन्थ्रोपिक इत्यस्य अन्यः वैज्ञानिकः इवान् हबिङ्ग्र इत्ययं चिन्ताम् प्रतिध्वनितवान्। सः मानवजीवने एआइ-इत्यस्य सम्भाव्यप्रभावस्य विषये एकं क्रूरं मूल्याङ्कनं प्रस्तावितवान् यत् एषा सम्भावना केवलं काल्पनिकरूपेण निराकर्तुं न शक्यते इति।

एतेषां वक्तव्यानां कारणात् एआइ सुरक्षाविषये प्रचलति वादविवादः तकनीकीक्षेत्रात् प्रत्यक्षतया राजनैतिकनीतिविमर्शानां केन्द्रं प्रति स्थानान्तरितः अस्ति। उभयपक्षस्य विधायकाः चिन्ताम् उत्थापयन्ति।

अमेरिकी-काङ्ग्रेस-पक्षे एआइ-संभाव्यजोखिमानां विषये चिन्ता राजनैतिकरेखाभिः पारं स्पष्टा अस्ति। डेमोक्रेटिक-रिपब्लिकन्-दलयोः विधायकैः एआइ-विकासाय दृढनिरीक्षण-सुरक्षा-मानकानि कार्यान्वितुं सर्वकारेण आह्वानं कृतम् अस्ति एरिजोना-देशस्य डेमोक्रेटिक-पक्षस्य सिनेटरः मार्क केली इत्यनेन उक्तं यत् वाशिङ्गटन-नगरेण एतत् विषयं गम्भीरतापूर्वकं ग्रहीतव्यम् इति। तस्य टिप्पणी सूचयति यत् एआइ-सुरक्षा केवलं तान्त्रिकविशेषज्ञानाम् चिन्ता न भवति; अमेरिकीनीतेः राष्ट्रियसुरक्षायाः च विषयः इति विकसितः अस्ति।

एतेन अनेकक्षेत्रेषु

यातायातस्य प्रवाहः प्रतिकूलरूपेण प्रभावितः भवति

ब्रह्मास्त्र ▸▸ जबलपुर

याचिकायां इदमपि दर्शितं यत् यद्यपि विविधमागेर्षु बहूनां ई-रिक्शाः प्रचलन्ति तथापि तेषां संख्यायां निर्दिष्टमागेर्षु च अपर्याप्तं नियन्त्रणं भवति। एतेन अनेकक्षेत्रेषु यातायातस्य प्रवाहः प्रतिकूलरूपेण प्रभावितः भवति।

संख्यायाः मार्गयोः च नियमनम् उच्चन्यायालयस्य आदेशस्य एकः प्रमुखः पक्षः ई-रिक्शा-सङ्चयानां नियमनं तेषां मागार्णां च नियमनम् अस्ति। सम्प्रति अनेकेषु नगरेषु ई-रिक्शा-सङ्चयायाः वर्धमानेन उपलब्धमार्गस्थानस्य यातायातक्षमतायाः च असन्तुलनं उत्पद्यते। प्रस्ताविते नीतौ मार्गक्षमतायाः आधारेण कस्मिन्चित् नगरे वा क्षेत्रे वा ई-रिक्शा-यानानां संख्यां निर्धारयन्तः प्रावधानाः समाविष्टाः भविष्यन्ति इति अपेक्षा अस्ति। तेषां केषु मागेर्षु गन्तुं अनुमतिः अस्ति इति निर्धारयितुं अपि साहाय्यं करिष्यति।

मार्ग-अनुज्ञापत्र-व्यवस्थायाः कार्यान्वयनेन ई-रिक्शा-सञ्चालने अधिकं व्यवस्था भविष्यति। एतेन व्यस्तमागेर्षु अनावश्यकं जामः न्यूनीकर्तुं साहाय्यं कर्तुं शक्यते, उत्तमयानप्रबन्धनस्य सुविधा च भवितुम् अर्हति। सुरक्षाविषयेषु न्यायालयः चिन्तितः श्रवणस्य व्याप्तिः केवलं यातायातप्रबन्धनात् परं विस्तृता आसीत्; न्यायालयेन ई-रिक्शा-सुरक्षा अपि महत्त्वपूर्णः विषयः इति चिह्नितः।

परीक्षाव्यवस्थायां परिवर्तनसम्बद्धाः चर्चाः तस्मिन् समये प्रचलन्ति

ब्रह्मास्त्र ▸▸ भोपाल

केन्द्रसर्वकारेण नीट् सहितं राष्ट्रियपरीक्षणसंस्थायाः (एनटीए) प्रबन्धितपरीक्षाव्यवस्थायां सुधारं कर्तुं उच्चस्तरीयं कार्यदलस्य गठनं कृतम् अस्ति। अस्य कार्यदलस्य अध्यक्षता इन्फोसिस् इत्यस्य सहसंस्थापकः नन्दन नीलेकणिः अस्ति। परीक्षाव्यवस्थां छात्रकेन्द्रितं, पारदर्शकं, सुरक्षितं च कर्तुं कार्यदलं विविधपक्षेषु विचारं कुर्वन् अस्ति। इत्यस्य सङ्गणकाधारितस्वरूपेण संक्रमणस्य प्रस्तावः अस्याः यापकपरीक्षासुधारप्रक्रियायाः भागः अस्ति। परीक्षाव्यवस्थायां परिवर्तनसम्बद्धाः चर्चाः तस्मिन् समये प्रचलन्ति यदा प्रतियोगितापरीक्षाणां सुरक्षा, प्रश्नपत्राणां गोपनीयता, कथिता अनियमिता च इति विषये राष्ट्रव्यापिरूपेण चिन्ता उत्पन्ना अस्ति।

राशिफल

मेष : खुद और स्किन को हेल्दी रखने के लिए आपको डाइट में हरी सब्जियां शामिल करनी चाहिए।

वृषभ : लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए बहुत ज्यादा प्रयास करने पड़ सकते हैं। परिवार में बच्चों से जुड़ी कोई खुशी मिल सकती है।

मिथुन : आपके काम की सराहना होगी और तारीफ भी मिलेगी। यह एक सपने के सच होने जैसा दिन होगा।

कर्क : आपकी कड़ी मेहनत आपको प्रमोशन दिला सकती है और नया कार्यभार मिलने की भी बड़ी संभावना है।

सिंह : आज आपको खासतौर पर अपने स्वास्थ्य की देखभाल करनी चाहिए। खुद को हाइड्रेटेड जरूर रखें।

कन्या : परिवार के किसी सदस्य से कोई गुड न्यूज मिल सकती है। अपने खर्चों के प्रति सावधानी बरतनी चाहिए।

तुला : आपके खर्चे आसमान नापेंगे और आपको अपनी फाइनेंशियल कंडीशन के प्रति सावधान रहने की जरूरत है।

वृश्चिक : दिन की शुरूआत अच्छी होगी लेकिन अंत मध्यम रहेगा। परिवार का साथ मिलेगा और घर से जुड़ा कोई काम पूरा हो सकता है।

धनु : अहंकारी न होने का प्रयास करें। सुझावों के प्रति खुले रहें, भले ही वे आपके जूनियर्स से ही क्यों न आए हों।

मकर : दिन के दूसरे भाग में आपको कुछ राहत मिलने की संभावना है। कारोबार फलेगा-फूलेगा।

कुंभ : अपनी एक्सपर्टीज बढ़ाने और कुछ नई स्किल्स सीखने में निवेश करने के लिए यह अच्छा दिन होगा।

मीन : तनाव से बचने के लिए सेल्फ केयर पर फोकस करें। सेहत में थकान या सिर भारी रहने की शिकायत हो सकती है।

ज्योतिष/वास्तु

मंगल का शनि के नक्षत्र में परिवर्तन, इन चार राशियों को 24 सितंबर के बाद मिलेंगी अच्छी खबरें

24 सितंबर को मंगल शनि के स्वामित्व वाले नक्षत्र में गोचर करने वाले हैं। मंगल के नक्षत्र परिवर्तन करने से कुछ राशि वालों को अच्छा लाभ होता हुआ मिल सकता है।

ज्योतिष में ग्रह राशि परिवर्तन करने के साथ-साथ नक्षत्र परिवर्तन भी करते हैं, जिसका प्रभाव सभी 12 राशियों के जातकों के ऊपर देखने को मिलता है। 24 सितंबर को मंगल शनि के पुष्य नक्षत्र में गोचर करने वाले हैं। जिससे कुछ राशियों पर इस नक्षत्र परिवर्तन का प्रभाव पड़ेगा। वैदिक ज्योतिष में मंगल को ऊर्जा, साहस और पराक्रम आदि का कारक ग्रह माना जाता है। मंगल का 24 सितंबर को नक्षत्र

परिवर्तन पूरे 24 दिनों तक रहेगा। आइए जानते हैं मंगल के नक्षत्र परिवर्तन का किस तरह का लाभ कुछ राशि वालों को देखने को मिलेगा।

मंगल का नक्षत्र परिवर्तन और मेष राशि प्रभाव- मंगल के नक्षत्र परिवर्तन का मेष राशि वालों पर सकारात्मक प्रभाव देखने को मिलेगा। अधूरे कार्य पूरे होंगे। अचानक धन प्राप्ति के योग बनेंगे और कोई पुराना मामले का फैसला आपके पक्ष में आ सकता है। घर में खुशहाली का माहौल बना रहेगा। नौकरीपेशा जातकों को नई नौकरी के लिए कई तरह के बेहतर अवसर मिल सकते हैं। आय में इजाफा होने के अच्छे संकेत हैं।

मंगल का नक्षत्र परिवर्तन और सिंह राशि पर प्रभाव- मंगल के शनि के नक्षत्र में गोचर करने से सिंह राशि वालों की दिक्कतों में कमी आने लगेगी। जीवन में कई तरह के सकारात्मक बदलाव देखने को मिलेंगे। इस दौरान आपको शुभ समाचार सुनने को मिल सकता है। प्रॉपर्टी से जुड़े मामलों में आपको कानूनी जीत हासिल हो सकती है। मंगल का यह बदलाव आपके कामकाज पर सकारात्मक रहेगा।

मंगल का नक्षत्र परिवर्तन और धनु राशि पर प्रभाव- 24 सितंबर को मंगल के नक्षत्र परिवर्तन के धनु राशि वालों के लिए कई तरह की खुशखबरी लेकर आ सकता है। आपके आत्मविश्वास में बढ़ोतरी हो सकती है। जो लोग किसी तरह के व्यापार में हैं उनको कोई अच्छी डील हासिल हो सकती है। करियर-कारोबार में बड़ा फायदा होगा। भाग्य का अच्छा साथ मिलेगा जिससे आपकी आर्थिक स्थिति पहले के मुकाबले बेहतर रहेगी। आने वाले कुछ दिनों में आपके कुछ निर्णय फायदे वाले साबित हो सकते हैं।

मंगल का नक्षत्र परिवर्तन और मकर राशि पर प्रभाव- मंगल के नक्षत्र परिवर्तन करने से मकर राशि वालों के जीवन में कई तरह के अहम बदलाव देखने को मिल सकते हैं। आर्थिक स्थितियां पहले के मुकाबले काफी बेहतर होंगी। कार्यों में आने वाली परेशानियां दूर होंगे और काम बहुत ही आसानी के साथ पूरे होंगे। बिजनेस से जुड़े लोगों को अच्छी खबरें सुनने को मिल सकती हैं। कानूनी परेशानियों का अंत होगा।

भारत ने अफगानिस्तान को 127 रन से हराया

तीसरे टी-20 में अभिषेक ने 108 रन बनाए

ब्रह्मास्त्र ▸▸ नई दिल्ली

भारत ने अफगानिस्तान को तीसरे टी-20 में 127 रन से हरा दिया। दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 7 विकेट पर 221 रन बनाए। जवाब में अफगानिस्तान की टीम 14.1 ओवर में 94 रन पर ऑलआउट हो गई। भारत ने सीरीज 3-0 से क्लीन स्वीप कर ली।

भारत की जीत के हीरो अभिषेक शर्मा रहे। उन्होंने 34 गेंद पर 108 रन बनाए। अभिषेक ने 9 चौके और 11 छक्के लगाए। संजू सैमसन ने 35 गेंद पर 50 रन बनाए। दोनों ने पहले विकेट के लिए 59 गेंद पर 142 रन की साझेदारी की। अफगानिस्तान की ओर से इब्राहिम जादरान ने 25 और अजमतुल्लाह उमरजई ने 17 रन बनाए। भारत के लिए नीतीश कुमार रेड्डी और रवि बिश्नोई ने 3-3 विकेट लिए। अक्षर पटेल को 2 विकेट मिले। जसप्रीत बुमराह और यश ठाकुर ने एक-एक विकेट चटकाए। अभिषेक शर्मा सबसे तेज शतक लगाने वाले भारतीय बने। उन्होंने 30 गेंद पर सेंचुरी जमा दी। अभिषेक ने रोहित शर्मा का रिकॉर्ड तोड़ा। रोहित ने 2017 में श्रीलंका के खिलाफ इंदौर में 35 बॉल में शतक लगाया था। भारत ने पावरप्ले में 100 रन बनाए। यह इंडिया का पहले 6 ओवर में सबसे बड़ा स्कोर है। पिछला रिकॉर्ड 95/1 था। यह टीम ने इंग्लैंड के खिलाफ इसी साल वानखेड़े में बनाया था।

रवि बिश्नोई ने 14.1 ओवर में अब्दुल्लाह अहमदजई को आउट कर अफगानिस्तान की पारी समेट दी। अहमदजई ने 8 गेंदों में 6 रन बनाए। लॉन्ग ऑफ पर अक्षर पटेल ने कैच पकड़कर मैच खत्म किया। भारत ने तीसरे टी-20 में अफगानिस्तान को 127 रन से हराकर सीरीज 3-0 से क्लीन स्वीप कर ली। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 221/7 बनाए थे, जिसके जवाब में अफगानिस्तान की टीम 94 रन पर ऑलआउट हो गई। नीतीश कुमार रेड्डी ने 12वें ओवर में 3 विकेट लेकर अफगानिस्तान को बैकफुट में धकेल दिया। उन्होंने पहले मोहम्मद नबी को 8 रन पर बोल्ड किया, फिर अजमतुल्लाह उमरजई को 17 रन पर आउट कराया और ओवर की पांचवीं गेंद पर मुजीब उर रहमान को भी बोल्ड कर दिया। इसके साथ ही नीतीश ने लगातार दूसरे मैच में 3 विकेट पूरे किए।

अभिषेक ने विराट कोहली के 10 शतकों की बराबरी की, रोहित के फास्टेस्ट सेंचुरी का रिकॉर्ड तोड़ा

अभिषेक टी-20 इंटरनेशनल में पावरप्ले में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए। इसके साथ ही उन्होंने ओवरऑल टी-20 में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले भारतीयों में विराट कोहली की बराबरी की। दोनों के नाम 10 शतक हैं। इसके अलावा उन्होंने 30 गेंद पर शतक लगाकर रोहित शर्मा के फास्टेस्ट सेंचुरी का भारतीय रिकॉर्ड भी तोड़ दिया। अभिषेक ने दिल्ली में पावरप्ले के 6 ओवर में 22 गेंदों पर नाबाद 76 रन बनाए। यह पुरुष टी-20 इंटरनेशनल में पावरप्ले में किसी बल्लेबाज का सबसे बड़ा स्कोर है। पुर्तगाल के कुलदीप घोलिया 74 रन के साथ दूसरे नंबर पर हैं।

मानव सुथार ने काउंटी चैंपियनशिप में 5 विकेट लिए

ब्रह्मास्त्र ▸▸ नई दिल्ली

काउंटी चैंपियनशिप में बुधवार को वारविकशायर के लिए खेलते हुए मानव सुथार ने एसेक्स के खिलाफ दूसरी पारी में 5 विकेट लिए। उनकी गेंदबाजी की मदद से वारविकशायर ने दो दिन में ही 8 विकेट से मैच जीत लिया टीम ने 133 रन का लक्ष्य 26 ओवर में हासिल किया। इस जीत से वारविकशायर डिवीजन-1 की टाइटल रेस में टॉप पर पहुंच गया। पहली पारी में विकेट नहीं लेने वाले सुथार ने दूसरी पारी में 24 ओवर किए। उन्होंने 75 रन देकर 5 विकेट लिए। एसेक्स की पूरी टीम 189 रन पर ऑलआउट हो गई। सुथार के पांच मैचों में 26 विकेट हो गए हैं। यह इस सीजन उनका दूसरा 5 विकेट हॉल है। वारविकशायर को जीत के लिए 133 रन का लक्ष्य मिला था। जेन मलिक ने 55 गेंदों पर 51 रन की पारी खेली। उन्होंने चार छक्के लगाए। डैन मौसली और सैम हेन ने टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया। वारविकशायर ने 26 ओवर में 2 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। वारविकशायर की पांच मैचों में यह चौथी जीत है। ग्लोस्टरशायर के लिए खेल रहे साई किशोर ने मिडिलसेक्स के खिलाफ पहली पारी में 131 गेंदों पर 71 रन बनाए। उनकी पारी से ग्लोस्टरशायर पहली पारी में मिडिलसेक्स से सिर्फ 30 रन पीछे रही। साई किशोर ने गेंदबाजी में भी 2 विकेट लिए।

क्रिकेटर पृथ्वी शॉ और मंगेतर आकृति अग्रवाल अलग हुए

पोस्ट में लिखा- हमारे फ्यूचर गोल अलग, आपसी सहमति से फैसला लिया

ब्रह्मास्त्र ▸▸ नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेटर पृथ्वी शॉ और उनकी मंगेतर आकृति अग्रवाल ने अलग हो गए हैं। आकृति ने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए इसकी जानकारी दी। आकृति ने लिखा- हम दोनों के फ्यूचर गोल्स और परिस्थितियां अलग हैं। इस वजह से हमने आपसी सहमति से अलग होने का फैसला किया है।'

आकृति ने पोस्ट में लोगों से उनकी प्राइवेसी का सम्मान करने का फैसला किया है। साथ ही उन्होंने लोगों अपील की है कि इस फैसेल पर किसी तरह की अटकलें ना लगाएं। आकृति ने अपने पोस्ट में कहा कि एक-दूसरे के प्रति प्यार और परवाह होने के बावजूद दोनों ने यह स्वीकार किया कि उनकी राहें एक साथ नहीं हैं। उन्होंने कहा कि दोनों के फैसले को समझने और उनकी प्राइवेसी का सम्मान करने के लिए सभी का धन्यवाद।

जुलाई 2026 के पहले हफ्ते में आकृति अग्रवाल ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा था कि उन्हें ह्यकई बार धोखा मिला है और हर अफवाह सच है।ह्ल इसके बाद सोशल मीडिया पर कयास लगने लगे कि उनका और पृथ्वी शॉ का रिश्ता खत्म हो गया है। दोनों के एक-दूसरे को अनफॉलो करने के दावे भी सामने आए।

हालांकि, बाद में आकृति ने यह स्पष्ट किया की वह पोस्ट पृथ्वी शॉ से नहीं जुड़ा था। रिपोर्ट्स में सामने आया कि दोनों एक-दूसरे को सोशल मीडिया पर फॉलो कर रहे थे। साथ ही सगाई की तस्वीरें भी डिलीट नहीं की गई थीं। 8 मार्च 2026 को पृथ्वी और आकृति अग्रवाल ने सगाई की थी। पृथ्वी ने सोशल मीडिया पर तस्वीरें शेयर कर रिश्ते का ऐलान किया था। अब इसके 6 महीने के बाद दोनों अलग हो गए हैं। पृथ्वी शॉ ने 2018 में अपनी कप्तानी में भारत को अंडर-19 विश्व कप जिताया था। उसी साल वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट डेब्यू में शतक लगाकर उन्होंने शानदार शुरूआत की और डेब्यू टेस्ट में शतक लगाने वाले सबसे कम उम्र के भारतीय खिलाड़ियों में शामिल हुए। 2025 में उन्होंने मुंबई छोड़कर महाराष्ट्र की टीम जॉइन की और बूची बाबू टूर्नामेंट में डेब्यू मैच में ही शतक लगाया। व्छह 2026 की नीलामी में दिल्ली कैपिटल्स ने उन्हें 75 लाख रुपये में खरीदा था।

खबर एक नजर...

चामुंडा माता मंदिर के पास मिली युवक की लाश

उज्जैन। चामुंडा माता मंदिर के पास गुरूवार को एक युवक की लाश पड़ी होने की सूचना पर देवासगेट थाना पुलिस मौके पर पहुंची थी। मृतक 38 से 40 साल का प्रतीत हो रहा था। उसके पास से पहचान का कोई दस्तावेज नहीं मिला। आसपास किसी ने भी उसकी शिनाख्त नहीं की। प्रधान आरक्षक अवधेश कुमार ने बताया कि आशंका है कि मृतक भिक्षुक हो सकता है और बाहर का रहने वाला है। बॉडी पोस्टमार्टम कक्ष में रखी गई है। जिले के सभी थाना पुलिस को मृतक का फोटो भेजा गया है। पहचान नहीं होने पर शुक्रवार को पोस्टमार्टम कराकर शव दफनाया जायेगा।

चाय की दुकान वाले ने जहर खाकर किया सुसाइड

उज्जैन। इंगोरिया थाना क्षेत्र के ग्राम कंजड़ में रहने वाला रामकरण पिता जगदीश जाट 35 साल भाई तेजकरण के साथ उन्हेल में चाय की दुकान चलता था। दोनों भाई डेली अपडाउन करते थे। चार दिनों से रामकरण दुकान नहीं जा रहा था और शराब पी रहा था। बुधवार शाम उसने जहरीला पदार्थ खा लिया और हालत बिगड़ने पर मां रंभाबाई से कहा कि सल्फास की 2 गोली खाई है। मां ने भाई तेजकरण का कॉल किया। उन्हेल से लौटा भाई उसे उपचार के लिये उज्जैन लेकर आया। निजी अस्पताल में गुरूवार तड़के रामकरण की मौत हो गई। भाई तेजकरण ने बताया कि रामकरण की शादी नहीं हुई थी, वह मोबाइल पर किसी से घंटो बात करता रहता था। शराब भी अधिक पीने लगा था। नीलगंगा थाना एसआई उद्यमसिंह राठौर ने बताया कि निजी अस्पताल से सूचना मिलने पर मामले में मर्ग कायम कर पोस्टमार्टम कराया गया है। जांच इंगोरिया थाना पुलिस को सौंपी जायेगी।

चाकू दिखाकर लोगों को धमका रहा था बदमाश

उज्जैन। बड़नगर थाना क्षेत्र की आदिनाथ विहार कालोनी टंकी के पास रात में बदमाश चाकू दिखाकर आने-जाने वाले लोगों को धमका रहा था। जिसके चलते लोगों भयभीत हो रहे थे। कुछ लोगों ने बदमाश की हरकतों को देख पुलिस को सूचना दी। प्रधान आरक्षक मांगीलाल मीणा टीम के साथ आदिनाथ विहार कालोनी पहुंचे और बदमाश की घेराबंदी कर उसे हिरासत में लिया। उसके पास से धारदार चाकू बरामद कर थाने लाया गया। पूछताछ में बदमाश का नाम विकास पिता सुरेश निवासी बिसनखेड़ी सामने आया। उसके खिलाफ आर्म्स का प्रकरण दर्ज कर गुरूवार दोपहर कोर्ट में पेश कर जेल भेजा गया है।

पंजाब की महिला तस्कारों को भेजा गया जेल

उज्जैन। जीआरपी की टीम ने 11 सितंबर को प्लेटफार्म नम्बर 8 पर चैकिंग के दौरान पंजाब के लुधियान में रहने वाली परमिंदर पति जगतार कौर और जसविंदर उर्फ किंदर पति बलविंदर कौर को गिरफ्तार कर उनके पास से ट्रॉली बेग और 3 पिट्ठू बेग में भरा 74 किलो से अधिक मादक पदार्थ डोडाचूरा बरामद किया था। 12 सितंबर को मामले का खुलासा कर दोनों को पूछताछ के लिये रिमांड पर लिया गया था। जीआरपी थाना प्रभारी सुनील कुमार गुप्ता के मार्गदर्शन में एसआई बीएस कुशवाह की टीम दोनों को लुधियान लेकर पहुंची थी। दोनों ने पूछताछ में बताया था कि उन्हे बैग डिलेवरी करने के लिये रुपए मिलते है। ट्रेन का टिकट भी मादक पदार्थ का कारोबार करने वाले बुक कराते है। पुलिस ने दोनों के गिरोह से जुड़े साथियों की लुधियाना में तलाश की लेकिन कोई गिरफ्त में नहीं आ सका। जीआरपी की टीम ने दोनों का अपराधिक रिकार्ड पता किया तो सामने आया कि जसविंदर कौर पूर्व में लुधियाना पुलिस की गिरफ्त में आ चुकी है। उसके खिलाफ 2 एनडीपीएस एक्ट के प्रकरण दर्ज है। दोनों को बुधवार रात जीआरपी की टीम लुधियाना से लेकर उज्जैन लौटी थी। गुरूवार को न्यायालय में पेश कर जेल भेजा गया है।

निजी अस्पताल में भर्ती महिला की संदिग्ध मौत

उज्जैन। चिंतामण थाना क्षेत्र के दशरथ नंदन परिसर रत्नाखेड़ी मार्ग पर रहने वाले प्रिंयका पति रामेश्वर राव 35 साल ने हरतालिका तीज पर उपवास रखा था। दूसरे दिन उसकी तबीयत बिगड़ गई थी। परिजन चरक अस्पताल लेकर पहुंचे थे लेकिन हालत गंभीर हो गई। प्रियंका को निजी अस्पताल ले जाया गया। जहां गुरूवार दोपहर उसकी मौत हो गई। डॉक्टरों ने हार्ट अटैक की आशंका जताई। पुलिस ने मामला संदिग्ध मानकर मर्ग कायम किया और पोस्टमार्टम कराया। परिजनों का कहना था कि बुखार आने से तबीयत बिगड़ी थी। चिंतामण थाना प्रधान आरक्षक किशोर साहू ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद मौत का कारण सामने आ पायेगा।

गरोठ ब्रिज के पास फंदे पर लटका मिला वृद्ध

उज्जैन। गरोठ ब्रिज के पास गुरूवार सुबह यात्री प्रतिक्षालय में वृद्ध फांसी के फंदे पर लटका मिला। कुछ देर में पुलिस ने उसकी पहचान कर परिजनों को सूचना दी। मृतक वृद्ध प्रापर्टी डीलर था। पंवसा थाना पुलिस ने बताया कि सूचना मिलने पर सुबह 7 बजे पुलिस गरोठ ब्रिज यात्री प्रतिक्षालय पहुंची थी। जहां गमछे के फंदे से वृद्ध लटका हुआ था। पहचान के प्रयास करने पर पता चला कि पंवासा क्षेत्र का रहने वाला रमेश पिता सोनी राम चांवड 70 साल है। परिजनों को सूचना दी गई। बेटी-दामाद घटनास्थल पहुंचे। उन्होने बताया कि सुबह 4 बजे घर से निकले थे। बेटी-दामाद ने हत्या की आशंका जताई और बताया कि पिता की 3 बेटियां और एक बेटा है। पुलिस ने मृतक के पुत्र की जानकारी जुटाई तो सामने आया कि वह ड्रायवर है और ओंकारेश्वर गया हुआ है। पुलिस के अनुसार प्रथमदृष्टता मामला फांसी लगाने का सामने आया है। मामले में मर्ग कायम कर पोस्टमार्टम कराया गया है। परिजनों के बयान दर्ज कर आगे की विवेचना की जायेगी।

दिन	447-5	233-8
मेन बाजार	226-0	479-0
मिलन डे	579-1	256-3
मिलन नाइट	458-7	250-7

5 9 0

क्षिप्रा नदी के घाटों पर गुरूवार देर शाम आशीर्वाद का दीया कार्यक्रम के दौरान

दीपोत्सव कार्यक्रम में झुलसा 12 साल का बच्चा

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

क्षिप्रा नदी के घाटों पर गुरूवार देर शाम आशीर्वाद का दीया कार्यक्रम को भव्य आयोजन किया गया था। 31 लाख दीप एक साथ प्रज्वलित किये गये थे। इस दौरान एक बच्चा झुलस गया। जिसे उपचार के लिये चरक अस्पताल में भर्ती किया गया है।

मक्सीरोड गोपालपुर क्षेत्र का रहने वाला 12 वर्षीय मंयक पिता दीपक दवे पांड्याखेड़ी स्थित मणी महेश गुरूकुल संस्था में कक्षा 6 टी का अध्ययन करता है। संस्था की ओर उसे मैजिक के माध्यम से गुरुकुल का सीनियर छात्र दीपोत्सव कार्यक्रम में लेकर पहुंचा था। दत्त अखाड़ा घाट पर दीप जलाते समय गुरुकुल छात्र मयंक उसकी धोती में आग लग गई, आग तेजी से फैली और उसके हाथ पैर झुलस गए। उसे कुछ लोगों ने बताया और दत्त अखाड़ा घाट से चरक अस्पताल लेकर पहुंचे। छात्र मयंक ने किसी का मोबाइल लेकर परिजनों को कॉल कर दिया था घटना की जानकारी दी थी। परिजन चरक अस्पताल पहुंच गए थे लेकिन उसे अस्पताल लाने वाले छोड़कर चले गए थे। मयंक के पिता ने बताया कि उनसे पुत्र के गुरुकुल से कार्यक्रम में ले जाने की अनुमति भी नहीं दी गई थी। पुत्र मयंक का उसे दिन पहले ही गुरुकुल में एडमिशन कराया गया था। पुत्र के साथ हुई घटना के बाद अस्पताल में कोई प्रशासनिक अधिकारी नहीं पहुंचा है। यह जरूर बताया जा रहा था कि घटनाक्रम की जानकारी लगने पर पुलिस अस्पताल पहुंची थी और मयंक से पूछताछ कर वापस चली गई। झुलसे मयंक के मामा दीपेश त्रिवेदी ने बताया कि प्रशासन को मामले में संज्ञान लेकर बेहतर विचार के लिए निजी अस्पताल में भर्ती करना चाहिए लेकिन कोई भी अधिकारी मयंक को देखने नहीं पहुंचा है।

25 हजार प्रतिभागियों की हुई थी नियुक्ति

प्रशासन द्वारा कार्यक्रम में दीप जलाने के लिए 25 हजार प्रतिभागियों का चयन किया गया था जिन्हें चार रंग के पास भी वितरित किए गए थे और उनके शिप्रा के घाटों तक पहुंचाने का रूट भी जाया किया गया था। बावजूद इसके कार्यक्रम में बच्चों से दीपक जलवे गए। उन्हें तेल और मोमबत्ती तक दी गई थी। बताया जा रहा है कि झुलसे मयंक का परिवार किराए के मकान में रहता है पिता मंगलनाथ मंदिर के पास पंच परमेश्वर मंदिर में सेवा देते हैं।

ट्रेवल्स एजेंसी संचालक पर साथ चलने का बनाया दबाव, पुलिस ने शुरू की तलाश

बदमाशों ने युवक से फिरौती मांगकर चलाई गोली

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

सरस्वती नगर में बुधवार-गुरूवार 2 बदमाशों ने दहशत फैलाई। युवक से 1 लाख रुपए की फिरौती मांगी, उसके दोस्त का रास्ता रोक साथ चलने का दबाव बनाया। पुलिस ने बदमाशों के खिलाफ 8 धाराओं में प्रकरण दर्ज कर तलाश शुरू की है।

चिमनगंज थाना पुलिस ने बताया कि सरस्वती नगर में रहने वाले हितेश पिता भारत यादव ने बताया कि वह ट्रेवल्स एजेंसी का संचालन करता है। रात 9 बजे वह घर से मक्सीरोड पंड्याखेड़ी जा रहा था। रास्ते में रवि डाबी और उसके साथी सावन लौहार ने रोका और कहा कि निहाल उर्फ नेनी कुशवाह बहुत तेज चल रहा है, उसका घमंड उतराने का समय आ गया है। पहले तू मेरे साथ वाइन शॉप चल, तेरा भी हिंदुजा हाउसिंग फाइनेंस का मेटर है। मैंने जाने से माना किया तो रवि और सावन लौहार ने गाली-गलौच कर मारपीट की। वह बचकर वहां से चला गया। रात 2 बजे वापस घर लौटा तो पड़ोस में रहने वाले निहान ने बताया कि 10.45 बजे रवि डाबी और सावन लौहार मेरे घर में घुस गये थे। दोनों ने चाकू अड़ा कर 1 लाख की फिरौती मांगी। दोनों उसे घर से बाहर लेकर आ गये थे, चाकू देख उसने फिरौती देने की बात कहीं, लेकिन पैसे नहीं होने पर दोनों मारपीट करने लगे और कहा कि कल तक रुपए देना नहीं तो जान से मार देगें। वह घर में जाने लगा तो रवि ने आवाज लगाकर रोका और पिस्टल निकालकर गोली चलाई। वह जान बचाकर घर में चला गया। रवि ने फिर से फायर किया। रात 3.40 बजे रवि ने मोबाइल पर कॉल किया और गाली-गलौच करने लगा। डरकर रात में शिकायत दर्ज नहीं कराई। चिमनगंज थाना पुलिस ने बताया कि निहाल और हितेश गुरूवार सुबह थाने पहुंचे थे, हितेश की शिकायत पर मामले में बीएनएस की धारा 296 (2), 115 (2), 351 (3), 126 (2), 333, 308 (5), 109 (1) और 3 (5) का प्रकरण दर्ज किया गया है।

18 से अधिक अपराध दर्ज है बदमाशों पर

बताया जा रहा है कि रवि डाबी सरस्वती नगर का रहने वाला है, सावन लौहार भी थाना क्षेत्र का रहने वाला है। दोनों के खिलाफ 18 से अधिक संगीन मामले दर्ज है। रात में हुई गोली चलाने की घटना के बाद पुलिस जांच-पड़ताल के लिये गुरूवार सुबह सरस्वती नगर पहुंची थी। निहाल कुशवाह के घर के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे देखे गये। जिसमें रवि डाबी गोली चलाता दिखाई दिया है। पुलिस दोनों की तलाश में उनके ठिकानों का पता लगाकर दबिश दे रही है। देर शाम तक दोनों गिरफ्त में नहीं आ सके थे।

क्षिप्रा ब्रिज पर ट्रेन से कटा भोपाल का युवक

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

क्षिप्रा ब्रिज पर बुधवार रात ट्रेन से युवक कट गया। उसका शरीर 2 टुकड़ो में बंट गया था। घटनाक्रम की सूचना मिलने पर जीआरपी मौके पर पहुंची। मृतक के पास आधार कार्ड मिला। जिसके आधार पर उसकी पहचान की गई। गुरूवार सुबह भोपाल से आये परिजनों की मौजदूगी में पोस्टमार्टम कराया गया।

जीआरपी थाना पुलिस ने बताया कि रात 11 बजे ट्रेन से युवक के कटने की सूचना मिली थी। रात में ही शव को घटनास्थल से चरक अस्पताल लाया गया। युवक के 2 टुकड़े हो चुके थे। उसके कपड़ो की तलाशी लेने पर आधार कार्ड मिला। उसके पास मोबाइल भी था, जो क्षतिग्रस्त हो गया था। आधार कार्ड पर दीपक गढ़े 25 साल निवासी गोविंदपुरा भोपाल अंकित था। रात में ही परिजनों से संपर्क किया गया। गुरूवार सुबह परिजन उज्जैन पहुंचे। उन्होने बताया कि 2 दिन पहले महाकाल दर्शन करने का बोलकर आया था। दीपक फैक्ट्री में काम करता था। जीआरपी के अनुसार मामला हादसा है या फिर युवक ने आत्महत्या की है। इसका खुलासा जांच के बाद हो पायेगा। फिलहाल पोस्टमार्टम के बाद परिजन शव भोपाल लेकर गये है।

जीरो पाइंट रेलवे ट्रेक पर भी हुआ हादसा

इधर पन्नी बीनने वाले युवक के कटे पैर- ट्रेन से दुर्घटना का दूसरा मामला गुरूवार शाम मक्सीरोड जीरो पाइंट रेलवे ट्रेक पर हुआ। आगर नाका रेती मंडी का रहने वाला दुर्गेश सोलंकी पन्नी बीनने का काम करता था। वह शाम को पटरियों के आसपास पन्नी बिन रहा था उसी दौरान भोपाल की ओर से आई ट्रेन की चपेट में आ गया उसके पैर कट गये थे, माधवनगर थाना पुलिस घटनास्थल पहुंची और युवक को चरक अस्पताल लाया गया। जहां से उसे इंदौर रैफर किया गया है।

तपस्वियों के सम्मान में निकला वरघोड़ा

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

पर्युषण महापर्व के पावन अवसर पर अरविंद नगर स्थित नागेश्वर पार्श्वनाथ जैन श्वेतांबर मंदिर में धार्मिक आयोजनों की श्रृंखला जारी है। चातुर्मास के दौरान 45 दिवसीय कठिन तपस्या पूर्ण करने वाले तपस्वियों के सम्मान और अनुमोदना के लिए गुरुवार को तपस्वी वरघोड़ा एवं रथयात्रा निकाली गई। इसमें बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाएं और धर्मप्रेमी उत्साह के साथ शामिल हुए।

यह रथयात्रा श्रीमद् विजय जितेन्द्रसूरीश्वरजी एवं देव श्रीमद् विजय वीररत्नसूरीश्वरजी के दिव्य आशीष और श्रीमद् विजय पद्मभूषणरत्नसूरीश्वरजी, पंन्यास प्रवर श्री ऋषभरत्नविजयजी एवं साध्वी श्री भक्तिरेखा श्रीजी के शुभ सान्निध्य में खाराकुआं जैन मंदिर से प्रारंभ हुई। इसके बाद रथयात्रा छोटा सराफा, सती गेट, कंठाल और कोयला फाटक होते हुए श्री नागेश्वर पार्श्वनाथ जैन मंदिर पर पहुंचकर संपन्न हुई, जहां तपस्वियों का बहुमान किया गया। 45 दिनों तक कठोर साधना करने वाले तपस्वी विशेष रूप से सजाए गए रथ में विराजमान होकर यात्रा की शोभा बढ़ा रहे थे। मार्ग में विभिन्न स्थानों पर समाजजनों द्वारा तपस्वियों का आत्मीय अभिनंदन किया गया। चातुर्मास समिति के संयोजक अभय जैन मामा और मनीष कोठारी ने बताया कि जैन समाज में पर्युषण महापर्व आत्मशुद्धि, संयम, तप और क्षमाभाव का महापर्व माना जाता है। इस दौरान श्रावक-श्राविकाएं उपवास, आयंबिल, एकासन सहित विभिन्न प्रकार की तपस्याएं करते हुए अपना समय आत्मचिंतन और धार्मिक साधना में व्यतीत करते हैं। 45 दिवसीय तपस्या को अत्यंत कठिन साधना माना जाता है, जिसे तपस्वी परमात्मा की कृपा और गुरुजनों के मार्गदर्शन से पूर्ण करते हैं।

सांसद फिरोजिया करेंगे राज्य स्तरीय टेबल टेनिस स्पर्धा का शुभारंभ

आज से भिड़ेंगे टेबल टेनिस के 263 धुरंधर, 483 प्रविष्टियां प्राप्त

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

टेबल टेनिस के रोमांचक मुकाबलों के लिए उज्जैन नगरी पूरी तरह खेलमय हो चुकी है। मध्यप्रदेश के विभिन्न जिलों से आए 263 महिला-पुरुष खिलाड़ी आज से शुरू होने वाली तीन दिवसीय राज्य स्तरीय टेबल टेनिस स्पर्धा में अपनी प्रतिभा और खेल कौशल का प्रदर्शन करेंगे। स्पर्धा में रिकॉर्ड 483 प्रविष्टियां प्राप्त हुई हैं। स्पर्धा में उज्जैन से 34 महिला-पुरुष खिलाड़ी भी भाग ले रहे हैं।

उज्जैन जिला टेबल टेनिस एसोसिएशन के उपाध्यक्ष एवं पूर्व टेबल टेनिस खिलाड़ी राजेश शर्मा ने बताया कि मध्यप्रदेश टेबल टेनिस एसोसिएशन के चेयरमैन ओम सोनी के मार्गदर्शन में स्पर्धा का शुभारंभ दोपहर 12 बजे लोकमान्य तिलक स्कूल के राजाभाऊ महाकाल हॉल में खेलप्रेमी सांसद अनिल फिरोजिया करेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता उज्जैन जिला टेबल टेनिस एसोसिएशन के संरक्षक कुलदीप भार्गव करेंगे।

इस अवसर पर विक्रम अवॉर्डी एवं उपाध्यक्ष मध्यप्रदेश टेबल टेनिस एसोसिएशन जयेश आचार्य, महासचिव मध्यप्रदेश टेबल टेनिस एसोसिएशन एवं पूर्व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी रिंकू आचार्य, कार्यपालन अधिकारी लोकमान्य तिलक न्यास गिरीश भालेराव, आंचलिक प्रबंधक बैंक ऑफ इंडिया उज्जैन अंचल अजीत कुमार शरण, लोकमान्य तिलक न्यास के सचिव अर्जुन कानडी, खेल अधिकारी विजेंद्र देवड़ा तथा डॉक्टर हेडगेवार व्याख्यान माला न्यास समिति के अध्यक्ष उल्हास वेद विशेष अतिथि के रूप से उपस्थित रहेंगे।

शर्मा ने बताया कि स्पर्धा में नौ वर्ष की उम्र के नन्हे खिलाड़ी से लेकर 70 वर्ष तक के अनुभवी खिलाड़ी अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। प्रतियोगिता छह वर्गों—अंडर-11, अंडर-13, अंडर-15, अंडर-17, अंडर-19 एवं सीनियर वर्ग—में आयोजित की जा रही है। संस्था अध्यक्ष एस.पी. झा एवं सचिव सतीश मेहता ने बताया कि टेबल टेनिस के मुकाबलों के लिए एक साथ छह टेबलों की व्यवस्था की गई है। पूरी स्पर्धा 15 एम्पायरों की देखरेख में खेली जाएगी।

तेजगति से दौड़ते ट्राले ने बाइक को पीछे से मारी टक्कर

नगर परिषद बाबू की मौत आंगनवाड़ी कार्यकर्ता घायल

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

तेजगति से आये ट्राले ने गुरूवार दोपहर पीछे से बाइक को टक्कर मार दी। दुर्घटना में बाइक चला रहे नगर परिषद बाबू की मौत हो गई और आंगनवाड़ी कार्यकर्ता घायल हो गई। मामला उन्हेल थाना क्षेत्र का है।

उन्हेल थाना पुलिस ने बताया कि दोपहर 2 बजे साईकृपा दुकान के सामने उन्हेल-नागदा मार्ग पर नगर परिषद कर्मचारी बाबूलाल पिता कालूराम परमार निवासी फारूख कालोनी की बाइक को तेजगति से आये ट्राले ने टक्कर मार दी थी। बाइक पर बाबूलाल के साथ आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सोनम पति राजेश माली निवासी करौंदिया गली उन्हेल सवार थी। दोनों गंभीर घायल हो गये थे, उन्हेल अस्पताल लाया गया। जहां डॉक्टरों ने परीक्षण के बाद बाबूलाल को मृत घोषित कर दिया। सोनम की हालत गंभीर होने पर उज्जैन रैफर किया गया है। पुलिस के अनुसार मृतक और घायल महिला शासकीय काम से उन्हेल-नागदा रोड गये थे, जहां से लौटते समय दुर्घटना हुई। ट्राला चालक मौके से भाग निकला। घटनास्थल से ट्राला जप्त किया गया है। नगर परिषद बाबू और आंगनवाड़ी कार्यकर्ता के साथ हुई दुर्घटना के बाद अस्पताल में लोगों की भीड़ जमा हो गई थी। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर बाबूलाल का पोस्टमार्टम कराया और ट्राला चालक के खिलाफ लापरवाही से वाहन चलाने का प्रकरण दर्ज कर तलाश शुरू की है। ट्राला नागालैंड पासिंग है। चालक के हिरासत में आने पर सामने आयेगा कि कहां से आ रहा था और कहां जा रहा था।

कार के कांच फोड़ने वाले युवक पकड़ाये

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

महानंदानगर में 13 सितंबर को तड़के 4 बजे बाइक पर सवार आधा दर्जन युवकों ने बैंककर्मी की कार के कांच फोड़ दिये थे। युवकों की बाइक का नम्बर सामने आने पर पुलिस ने गुरूवार को 3 नाबालिगों के साथ 3 युवकों को गिरफ्तार किया है।

नानाखेड़ा थाना पुलिस ने बताया कि 13 सितंबर को महानंदानगर में रहने वाले बैंककर्मी अर्पित पिता सोहनलाल पंड्या ने तड़के 4 बजे घर के बाहर शोर-शराबा होने की आवाज सुनी थी, वह बाहर निकलकर आये, कुछ युवक हंगामा कर रहे थे। उन्होने हंगामा करने की वजह पूछी तो युवकों ने घर के बाहर खड़ी कार पर पथराव कर कांच फोड़ दिये थे और भाग निकले थे। अर्पित ने एक बाइक का नम्बर देख लिया था और सुबह लिखित शिकायत आवेदन के माध्यम से की थी। पुलिस ने मामला जांच में लिया था। बाइक नम्बर के आधार पर बदमाशों की पहचान के प्रयास शुरू कर गुरूवार को 3 नाबालिगों के साथ मंथन हिरवे निवासी अलखधाम नगर, ईशान यादव महावीर बाग और वेदांश कुमावत निवासी अर्वतिपुरा का गिरफ्तार किया गया। सभी 6 युवक 3 गाडियों पर सवार होकर महानंदानगर पहुंचे थे। पूछताछ में उनका कहना था कि वह चाय पीने देवासगेट जा रहे थे, साथी रास्ता भटक गये थे, जिसके चलते आवाज लगा रहे थे, गलती से कार के कांच फोड़ दिये थे। पुलिस के अनुसार सभी को नोटिस तामिल कराकर रिहा गया है।

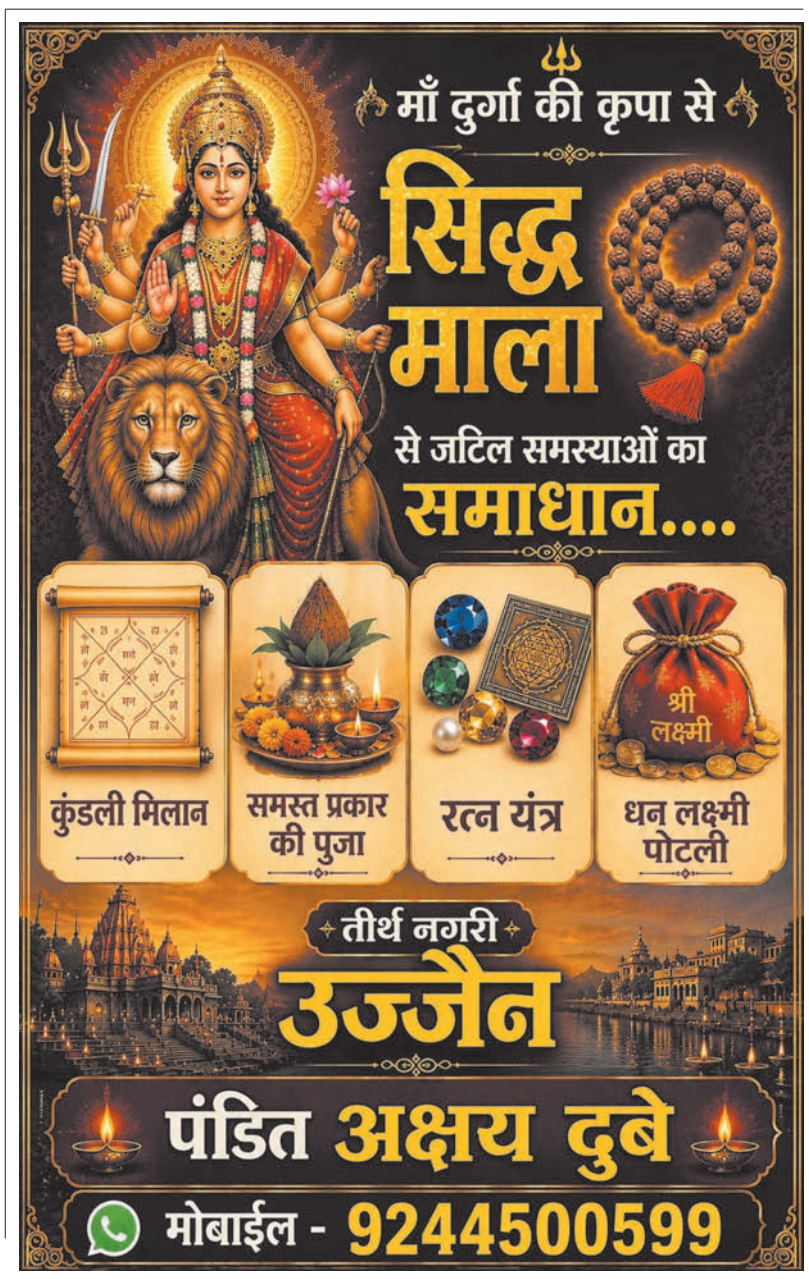

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संदीप मेहता द्वारा अवंतिका ऑफसेट 2, महाकाल मंदिर मार्ग, मालीपुरा, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-संदीप मेहता 9827771777 फोन : 0734-4012777 Email -dainikbrahmastra@gmail.com